

ॐ नमो भगवते
पूजायाय नमः



ॐ नमो भगवते
पूजायाय नमः



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ कृष्णार्पणम् ॥ १०५ ॥ ज्ञानार्पणम् ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनं तु यथा कुरुते ॥ अनाः तु यथा कुरुते ॥ वचापा ॥ पंचगाल
खल ॥ उडमानसहि गङ्गा ना ॥ कलसपूजा कालंदयका ॥ आदिः ॥ अ
नवाहिदयका सिंहा पूजायाय ॥ गीत ॥ वाद्ययायमाल ॥ पूजा धनका ॥
उडमानसपायात ॥ तु यथा कुरुते ॥ मत्पूजा ॥ सिंहा विवास
नयायतु ॥

॥ धनं तु यथा कुरुते ॥ जलमलुलवीयक ॥ अंहुया
दादा ॥ पूजादक नाकाय ॥ तु यथा कुरुते ॥ हलपणका १ उपा ॥ यात १
पादादः लूजति १० गया अर्घ्याय ॥ वाक् ॥ अर्घदानवाक् ॥ ॐ ह्रीं

गलचकुंभव ॥ सद्गुरुचय ॥ पस्मानाय ॥ दानपति अमृकडड ॥
मानस्य ॥ मनीषाह्यपजीपुज ॥ अर्थ ॥ सर्वकर्मवडि ॥ पादादयपुमिह
स्वाहा ॥ मंशपूजा ॥ पाइकोनपूजाः दकनामाह १ ह्यय ॥ अस्त्रधनुध
सुतुवायउडमान ॥ ॥ धनदकोठडमानपनीसुन ॥ मायजाकी
स्वानकना ॥ हाकलपाडंगुज्याकप्राधनायाय ॥ ॥ अस्त्रधनु
मिःहनाथत्वममस्त्रामहाविरा ॥ सर्वसत्यासुताजमागजाइषुत्यव
इतंपुमिस्त्रापनाय ॥ यष्मार्कसयजनचक्रमलुल ॥ पूर्वकनना ॥
कलीपामि ॥ यष्मरिच्यलिंविस्त्रायककुर्य ॥ गलजलीयमिति ॥

हनाथ हेतुचकलपालशसा ॥ महाग ५ नावि छा ना वाक्क कलपाल ४
किमीशसासकलयासासाशयावाक्क ॥ कलपालन ५ शु संसालसम
उस ॥ इनावापी ॥ संपूर्णपोलीपिन ॥ संसालरूपीसमदु ॥ ५ नकयाडो
नकायानाविछानावाक्क ॥ केवलहात्रवृद्धपनीस्यन ॥ ग ५ पुतिष्ठाया
नाविछाग ॥ ५ ५ ५ तु पुतिष्ठायानाविछानावाक्क ॥ ५ ५ याकाजलस
ममः किशुक्कशसा ॥ गनचकुर्मलपूजायायग ॥ मंलुलदयकमा
लसीदयकाविछाई ॥ हानकलपालपुतिगी ॥ गलचकुकिन ॥ वचा
पा ॥ पंचगालखलक ॥ कल्यानमिगसकलस्यन ॥ मासकासजाजाम

नयात्रयात्रा ॥ त्रिगुणपत्र ॥ कुरु ॥ कृपागया ॥ प्रज्ञाकर्मसिद्धयाना
विद्यायमाल ॥ का ॥ निष्पन्नज्ञा ॥ श्रीगुरुउपाध्याय ॥ प्रार्थनाया
यमाल ॥ ४ सकलत्पनजाकिङ्कनाहोदलप ॥ ॐ नमस्तुज्ञान
रूपाय ॥ नमस्तुहवगात्रक ॥ अद्यमेगुरुपूजाथं ॥ निमन्तुलंकयाम्य
हं ॥ ॥ धनशाकपूजायाक ॥ बलाविषय ॥ गुरुमीलुलदनक ॥ कि
मगनेसकलयां ॥ गुरुपूजा ॥ दक्षना ॥ धनसगाकलयाय ॥ दमापनयाय ॥
सर्व ॥ सिंहः ॥ माहनीककयागत्रकसिंहगिक ॥ द्याद्यज्ञायहिकक
माः ॥ गुरुपुमर्कउपलवाहिक ॥ उज्जमानपुरिगि ॥ धनस्ययावकु ॥

लोकन॥ सानकाकाय॥ मखसूज॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मार्फ॥ ॥ नमो गीतः वीग॥ सान॥ मखसूज॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
लाना असा॥ अंसजो मखसूज॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
जापा मखसूजः वहनी ५ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ल॥ किसली १ ५ ली गया
पंचगालनाथा गुजुन पूजा याक॥ ५ ली ५ नका अ॥ सनगु ५ स
ववा स॥ गाल॥ पंचगालः वीग॥ मखसूज पूजा याय॥ दव जाकः नवीमी
ननिमाहाय॥ अल नमः गीत अल मखसूज याय माल॥ ॥ ५ नली हि
गुं दिन सः लसि ५ न॥ सखाय॥ काय जाय याय माल उअमान या

भक्त ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सकलसिंहा ॥ मालकृपा ॥ अखालसुने ॥
पूजाकल ॥ कल १ सयपीया ॥ धमा ॥ धमा ॥ गव १ कितजीनयापूजा
याय ॥ ॥ पात १ पूजा ॥ गल १ कितली ॥ पअवीहात्रहगवानया
न ॥ गुत्रयागमि ॥ कल १ कितली १ उपाधम ॥ गमि ॥ कल १ ऊऊमा
नया ॥ गमि ॥ कल १ नासंदवकल १ गुत्र ॥ गजीकल १ धलीपूजा
कायमाल ॥ ॥ धन ॥ वासुदेव ॥ सन ॥ गुणगुणमिनायमाल ॥
वासुदेवगुणसीदधसः ॥ अह ॥ कसंमल ॥ वागुपीलामय ॥ ॥ धन
ली ॥ देवविद्याकगुर्क ॥ धः ॥ रूपा ॥ धडा ॥ विहालयाहगवान ॥ अगुर्कदेव ॥

उपा ॥ अदव ॥ उजमानदव ॥ गुञ्जग्रीदव ॥ नासदव कथं ॥ अंश ॥
दधुगुमती ॥ निलवज्जोयागु ॥ सिज्यासर्वनि ॥ नकलसगयः
मिथलस्यः पंचजलः पंचामृतः पंचपुलः पंचवह्निः लूपत्यः आरुप
लः स्रसत्पापाः तुद्धीः कृमवः कनसकृत्पाः पंचसूत्रगयाः किसलीदा
पस्वाकवाः पंहु पोह वनाहर्ह उमाः ॥ सा इडः पंचामृत ॥ लीगय ४
कृयवागुमतीसः चवासरु ॥ योगमसरुः रिंः गाः पंगम ॥ कृगुगान् १ व ॥
दीस्वनेमाल ॥ ॥ पनली ॥ दवयाह उअ ॥ पंच ॥ मलीपूजाकाल ॥
आदिः ज्ञेयः बाही ॥ किलंदव १० नकी १० ॥ अलीस्वना ॥ उपा ॥ अदधुसर

२
वा ना पूजा याय ॥ उडा समुद्राचार्य ॥ स्वडा सकर्माचार्य ॥ ५५ कय ॥ दावा
नीदवी १ क ॥ जामादवी १ क ॥ खन्दावा हादवी १ क ॥ उपिनीदवी १ क ॥
५५ कयचिह्नवकु ८ ५५ कय वाकवकु ८ ५५ कय कायवकु ८ ५५ कयव
ववलः श्रवल ॥ ५५ कयकमार्क ५५ वा ना सकलसनः शुभर्मवलः समा
धीदनमाल ॥ ॥ माहनीकयमन्त्रा ॥ ५५ सुत्रनिस्यउपा ५५ नपूजा
यायगु ॥ कृपासूर्यार्घः पादाद्य ॥ सकलयार्गविय पादाद्य ॥ ५५ लक्ष्मी
लिवाकगुः मन्त्रसपादाद्यग ॥ ५५ ली धंका ५५ डा २ आसमवा ना पूजाया
यविधि ५५ ॥ कलसः सद्यलो ॥ मन्त्र ॥ ५५ पीः किलं ॥ ५५ लीगवा पूजा ४

धन आखा लयाः दश दिगसः कि जगदीश ॥ धनलीः आखा अदवद व पूजा
 कि न लदव पूजा ॥  धनिकान आयाः म स या द डी नः पु न र ल उ
 न ॥ महा वलि विय पूजा या य ॥ ॥ धनली सकल लयाः व
 वा पाः पंच गाल ख ल क ॥ उ उ मान पिं सकली ॥ र नीः सु उ म नः पूजा सु द
 य की पी ५ सकल लयां ॥ क २ कि स ली माल ॥ द द द व या न का य क ॥
 धन म् लो पु म् र्व सकल लय नं ॥ उ पा ५ या न ग व य दा न य माल ॥ ग व य १०
 द क ना द ४ गया ॥ उ प ल ग व य १० ० ट माल उ उ मान या ॥ ॥ धनली
 अ क द ल पु र्म या या अं ॥ पूजा या ना ॥ पु र्म प तिः कृ मि २ ग व य २ न य ॥ तु या ५

१ आर्या

का अंद व हाक ॥ योग या शु वी लं ॥ उपा ॥ अन व ना वि य ॥ सकल सिंग ॥ पं ॥
॥ धन ली या कु पूजा ॥ कि म न न सकल सिंग ॥ पु न पु जा ॥ द क
ना ॥ स ग कल लं न न सिंग नि क ॥ दे गु स य का य ॥ प व सा नी कि क ॥
५ न वि भ उ न म या स्यः स ग कल ल उ क या य ॥ ५ ली या ना प्या हा डं य ॥ ५ न न
प या य ५ स ॥ उ न नि ५ का ५ या शु व र्वा प न ॥ र्वा ल द ग ९ व ली वी य उ पा
५ न ॥ प व पु र्वा ल पु जा सु नि ॥ ६ द द या र्वा दी ॥ ॥ ५ न लीः न दि न
म काल का य के व रा पा ५ का ली ॥ न ग माला ॥ व रा हा य ॥ वि भ स ना नु ह ९
ह ल सिल ९ ५ र्वा न न पु या य मा ॥ पा ग भ्रा न न उ क या य ॥ द व हा य ॥

द० प० न० य० ॥ मा० ह० य० १० द० य० ॥ ग० क० व० ली० वि० भ० उ० न० या० य० ॥
श्रुते सकल इहादि ॥ पंचांग बालपूजायाय सकल सीया ॥ वि० भ० उ० न०
या० य० इ० न० ॥ धनहीन जन ॥ मृत्यु सुधी काय ॥ लोका संगी न यायन्ता ॥
ॐ मि० श्रुता स्वयं याव० धी समापे ॥ ॥ धनहीन श्रुता लसः उपाध ॥
न निष्पूजायाय माल ॥ स० ध० स० स० य० क० ल० न० या० प० च० पु० ब० ल० पू० जा० या०
य० ॥ वि० प० वि० य० पु० क० ल० म० लः उपाध ॥ उ० न० मान० नि० क० सि० या० ॥
व० ह० ध० पु० न० म० ल० ल० क० पु० द० न० ॥ अ० पि० र० वा० द० पा० ॥ स० ग० य० म० न० पू० जा० श्रुता
ल० द० का० द० व० न० पू० जा० ॥ किल द० व० न० ॥ समाधी द० न० न्वा ॥ अ० म० सि० म० द० न० ल०
३

वहनीपूजाउत्थयायमाल॥ किं२ सकलयागः जीत॥ ~~सुम~~॥ पंचमाल
संनमाल॥ इत्थविपपिय॥ मृसिमर्दतल॥ वहनीपूजाउत्थं॥
~~धनमृसिदनेडां॥ वहनीयागुकुयायायमालपूजा॥ सुधयागुक~~
~~कपूजाः आखातिगमनतलयायमाल॥~~ ॥ धनलीः हिंगुदि
ने॥ घीगलासीकाययाग॥ पूजाः पंचमलीकलः आदि जनु॥ बाही
जी॥ घीगलाः आखालपाः सकलयागः पांमयागः शिवंयागः॥ गुज
राशसकलयागः सुनि२ गल२ कउमालघीगलाआग॥ मूलया
गग ३२मालः वचापायागउत्थसुध॥ जलघीगलादकाः उपाध

याङ्गानां॥ नृदलवाया॥ धपनायाय॥ धनसकलसुखाङ्गयाः शुभ्रम
दलदमसमाधीदममाल॥ विधिध्वं पूजाध्वनका॥ नोपलघायतु मन्त्र
धनकापयाना पूजायाय॥ दधपूजा॥ किलपूजा॥ माहाप्रभुसधनागुः
वलीपूजाः पीधध्वं पूजावली॥ ॥ धनकिगगन॥ सकनन॥ पंचाङ्ग॥
पंचगालीमहीकुण्डः घंगलासिनीनीधिय॥ आद्यादधुपुष्टि॥ पीज
सिः सकलयागं धिय॥ नृलसकलस्यनः उपाध्वं यागः नयग्व १० दध
धियाघंगलाकयाङ्गं ह्राय॥ ॥ धनगालनधिय॥ धनगालधनाः
गालवली १ धिय॥ नदिनमलातः जागकायक॥ पंचगालदधं ह्राक ४

[illegible]

[illegible]

५ नली गुलाब सकल या ॥ ६ अ न न इ न अ न ॥ ७ अ २ अ अ म सं तु वाने ॥
 पंच भली फिक ॥ गिता वा र्यः दिग्ग वा र्य वा फिज इक फिक ऊऊमा नतक ॥
 स्मया चक ॥ विभजनः एऊन स गीत या यमा ॥ ॥ ५ ॥ नृनि स्थः
 कमा कं ५ः सना हय ॥ अंक क वा ल अ ॥ क वा पुजा या यमा ल ॥ लय र न

पूजायायमालमसगल॥

॥धनिघीगलासिधिययारुधीसमाफ॥४

पत्रमृत्तिदमयागः सलयाः लसीधनः स्यायः मालकूय॥ कयजाल॥
जापासुरदिन॥ मृताचार्यः उपाध्यायः कर्माचार्यः ३ मयाग॥ वा॥ सकलया
गः मृत्ति ३ पत्रपाग ३ पाः नया पत्रक मयमाल ॥ गुलाङ्गसकलयागः मृ १
पत्रलायमाल॥ ॥धनली आत्मा लसः वर्क २ याः डीस॥ धनुखापाः
द्यगला॥ कर्हिः प्रागुः बडुः द्यथः उठामकूग॥ उमलः खर्कः पागः
गदा ४ दिवः पागः वं मृवाः ववासरु॥ गाआ॥ सकर्गसममाल॥
पूजाजहस्य मं ३ ल ५ प जाया ना वि धीध॥ पत्र ५ लसः धमादयाः

[illegible]

१६ वषट्का १

गने ॥ वि० नः उपा० नः चक्र सं च समाधी याय ॥ मे पितृ सं सकल स्य नं वि
समाधी याय ॥ ॥ कलसकलं ॥ मामकि पृजा ॥ ॥ किं न वषट्का ॥
माहापात्रु स पनातुः महावली पृजाः पि० धादो पृजा ॥ ॥ धनसकल
गुणरूपिणः ॥ ५५ गुदवया मन्त्र मिलमका ॥ ॥ कचि कृया ना ५५ गुम
पृजाप याय ॥ सिमधनस ॥ सिदयडां पुर्क क वि यडां दवः मंजुल थी
ले ॥ किं गतमे ॥ सक माहनी निक ॥ ५५ माहनीः किं हं पाश कृ यत सक
ल पात निक माल ॥ ५५ माहनी दकलः मं गु माहनी निय मन्त्र ॥ गुं प
जा ॥ दकना ॥ पंचाक म ॥ कृपादकः स्मया वक्र ॥ ॥ धनलीः मगा

कजवावाः मसि ककाय ॥ मलाचार्यनिस्य ॥ मुकलसिनं ॥ गवय १० दी ४
उपा ५५ वागविया ॥ २५ गलासिकायकर्म ५५ ॥ ५५ गु २५ वरुगिय ॥
स्वापालपुयः उठमकृतपुय ॥ द्यगलाजाय ॥ गाललडाहाय ॥ शिव ५५
पाग ॥ वरुः पंचगाललकयागविय ॥ वरासकः गाः वरापायागविय ४
उपा ५५ यागदपादवियमाल ॥ ॥ ५५ वलीग ५५ सपिहाडायाः
उपा ५५ नः गालवलीविय ॥ उठमानजाकि ५५ नियाकावियक ॥
नमस्वालयकायक ॥ जागमाला ॥ पाग ५५ पंचगालपाक ॥ दवडाक ॥ वि ५५
सजासुह ॥ ५५ क ॥ हजभिल ॥ पाग ॥ गमकवि ५५ र्जन ॥ गु ५५ दर्शन

पादार्घ्यः तैः तमि ३१ पादपूजाः दक्षनाः दणपुत्रुनय ॥ ॥ धनस
कलमुंराइयाः आकनपिहडाया ॥ देवज्ञाय ॥ तुलाइ सकलयावृष्ट
याय ॥ गीतः प्रहसनकलीन ॥ पाग ॥ ह्मक ॥ उमहिमंजुल ॥ पाग ॥
ह्मक ॥ पुमादिन ॥ पाग ॥ ह्मक ॥ ॥ पलीधन्यडा ॥ सकलयाग
देवज्ञाय ॥ इहाअन्य ॥ पंचमाली ॥ अष्टमनः महावलीपुर्णतः विहाकन
याय ॥ सहालसिंदलनयः वलीकाय ॥ पंचमाली लडाज्ञाय ॥
मलमुंरिह ॥ मजावाययापाडाक ॥ कर्मायायवाकी ॥ दिगमयायपिंगपाडाक ॥
वयापाः निम्र २ कपंथ काय ॥ बाहिजीडाकः ठजमानयागकाय ॥ ॥

प्या हाउय ॥ गर्जवकुलाऊन ॥ कलकय ॥ स्नानककाय ॥ मुखसुधी ॥
ॐ मिमसीयाकयावधीसमार्फ ॥ ॥ धनशाखासितगययि
धी ॥ धनशाखासितगययि ॥ पंचमालीपूजाआल ॥ सकलगुणगुण ॥ गु
र्मलुलसमाधीयायमाल ॥ आदिः वृत्तः बाहि ॥ सकल ॥ मत्त ॥
विधीधंपूजा ॥ मालीगुहः समयावकु ॥ विगडनमयास ॥ धनेली
धउरखापालपूयाप्याहाउय ॥ आरादवलीसकमुधंशानाः पंच
गालदउआके ॥ सकलसियीनययायधंसेली ॥ कर्दकायदकना ४
इहाउना ॥ खापालः गाय ॥ सकलया ॥ उपाधंयागलउआय ॥ दक

नादं ४ दा ॥

॥ पनली मया कल ३ धः वा ना क मा प न या य ॥ वि भ उ
न ॥ आर्या देवः कि ज र्क द र्क व र्क थिय ॥ अल आकाश ५ हा विष्णो धका
ल लप ॥

॥ पनली सि उ या सर्व नी ध न क ल स ॥ कि ज ल द र्क लि ना ॥
स क ल ति ले डा ना ॥ र्हीः ग म मू या थ न ॥ म न ५ ॥ डां डीं डीं र्क व उ की ल य
व र्क ध ल आ ह्म प र्य मि स्था हा ॥ ध ज १ धः वा ना थ न ॥ क ल म या ल र्व र्व
य र्क ॥ प ५ हा य माल ॥ स मा क ल या य ॥ क ल म का य गु र् ॥ लि हा डा या री
अ न ॥ पू जा स ॥ रा उ स गी ग या य म्वा ल ॥ र्क ल का य ॥ स्ना न क का य ॥ मू र्व
रु धि ॥

॥ पनलीः अ स मि र् ५ नः आर्या देव लि ग न य ॥ क ल स प्

आयात्रालिगगय ॥ रुसाहु ५ खत्रुहगय ॥ ॥ ५ ॥ सीआखादव
लिगगययाविधीसमापक ॥ ॥ ५ ॥ त्रुजुज्यातजसुअम्यगु ॥ सजी
खत्रुवहनी ॥ कल ॥ पंचसालीजाल ॥ आदिः ज्ञः स्मयकलः गनवकु
गुज्याग १२० जीलंगयावियमाल ॥ द ॥ पुगयाः गुज्यावलनकम
लिशकपूया ॥ वेलाकया कलिहाअय ॥ ॥ ५ ॥ नली ॥ मूलपुजा
यागसात्रआम् ५ ॥ सिज्याकपला १ जंयग १ अठामक १ १ वकुः धंथ
जील १ ससवल् ॥ व्याद्यचर्मः मयला ॥ वागः जमनीकाः चकयः व्यक ॥
पिगावलधनिपू १ कसाग ३६ म्मादियाः लः जगिठ १ अर्थलः जगि ३२ अ

घपागुग ३ अर्थाग १ कंभपागुग १ अयसुपा १ मसलारु १ लं. अंशुपाग ३
लं. ॥ पूजा अंशुमाकि शु लं. नयग ॥ पूजा लं. १ की ॥ वाया शुपव.
अली लं. १ वयनिग २ द्यउग २ शु अंशु २ दकापा ७ सिहापमाकि २
कसु मलाउ ॥ अजा कलभग २ शु लं. नयग मा लं. नयग २ मिशं.
लं. पिवा ४ यागु पिवा स समयनया ॥ ग १ अं अजाग १ अं मलुलपा ४
पमकः क ५ पा १ अं स्वादि वा पू ७ सिहा ४ की ट पूजा समलमाकी ॥
~~अंशुमा लं. कायाग २ शु मिशु कि. सागा; सिहा कल ॥ सिंहुः ४ पा. मधी ॥~~
~~चिर्कः शुजा ७ अलकः १ वलः २ अपागाः किजलकः ॥ शुं ला ॥ अंशुमा~~

लज्जा ॥ ८ किं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ संनयमाल ॥ पंचनका
यागुशसा ॥ अचलयागुशसा ॥ मालाविंयागुशसा ॥ अइउम ॥ कृष्ण
म ॥ गाः ॐ का घाउ का गाला ॥ घाउतुकि ॥ हृष्टि मातु को किल या न मा ॥ ४

~~पृथुकायनीया १ उरुलज्जायनी २ चरुमंजयनी ३ दकः वाजाहि ४~~

धूप ॥ कर्पल ॥	१	धूप ॥ गुगु ॥	१	धूप ॥ कूकम ॥	१	धूप ॥ नका ॥	१
चिनु ॥ पंचगंध ॥	१	चिरु ॥ श्रीरवन्द ॥	१	चिन ॥ अपकमल ॥	१	चन्द ॥ नकाचन्द ॥	१
पित्तवस्तु ॥	१	वस्तु ॥ लुग ॥	१	पृष्ठा ॥ अपकम ॥	१	वस्तु ॥ नकावस्तु ॥	१
पृष्ठाः ॥ वस्ती ॥	१	पृष्ठा ॥ जित्यान ॥	१	रक्षा पकयागु ॥	१	गाकासा ॥	१
रुति ॥ धिल ॥	१	गका ॥ रक्षा ॥	१	रुकि ॥ गुगुन्या ॥	१	रक्षा ॥ मजाका ॥	१

सुगु १

किलजा ॥

१

रुगुनि ॥ ३३ ॥

१ वमाला ॥

१ रति ॥ पंचपुगास्या

वजा ॥ १

मांस ॥ बलाजा ॥

१

मांस ॥

दाकला १

जादियातु ॥ ५ १

मांस ॥

सला १

मद्य ॥ अडिथ ॥

१

मद्य ॥

डिमाथ १

रुल ॥ उमसी ॥ १

रुल ॥

वसि १

दीप ॥ गुंकाचीक ॥

१

वाक ॥

धाले १

दीप ॥ तुचिक ॥ १

दीप ॥

तिसिचिक १

लाधी ॥ मधी ॥

१

दीप ॥

कर्पल १

रुन ॥ ययातुमली १

खलमधी १

१

रुल ॥ नसि ॥

१

खत्र ॥

मधी १

दकना ॥ लिप ॥ १

मद्य ॥

नकाथ १

दकना ॥ ल ॥

१

दकना ॥

माठि १

मासि ॥

मिसी १

दकना ॥

मासिपा ॥ खासी ॥

१

मासि ॥

नेका १

असकसा ॥ १

मासि ॥

कुर्या १

वसाकचा ॥

१

वगसिकचा ॥ १

अमाया ॥ कचा १

अमः कोमाली ५ मेमः वेष्टुवा ५ वायुः वामूडा ७ शुभः नमः महारक्ति

धप ॥ अगल ॥ १	धप ॥ सिंहाय १	धप ॥ उसील १	धप ॥ नखा १
विग ॥ संसिंह ॥ १	विग ॥ कतुली १	विग ॥ अष्टगंध १	विग ॥ दवदव १
वसु ॥ जक ॥ १	वसु ॥ हलीग १	वसु ॥ जक १	पृष ॥ डिंसा १
पृष ॥ डिंसा ॥ १	पृष ॥ मंसा १	पृष ॥ साउचसा १	वसु ॥ तुयुग १
रजा ॥ साउमासजा १	रजा ॥ मायलवा १	रजा ॥ कलजा १	रजा ॥ वाकजा १
तुकि ॥ रः न्या ॥ १	तुकि ॥ वचगामधा १	तुकि ॥ सिंहाभाहनी १	तुकि ॥ सिंहावजा १
मास ॥ कवीला ॥ १	पंचामृत ॥ १	मास ॥ अंगमाला १	मास ॥ दाकवासयणा १
मय ॥ पंलातु ॥ १	मास ॥ कयगला १	मय ॥ वाक ॥ १	मय ॥ शे ॥ १
रुल ॥ कवसि ॥ १	मय ॥ कगा ॥ १	रुल ॥ वयसि १	रुल ॥ वा १
		वाय ॥ मिसाचिद १	

दीप ॥ पकाचिक १	इल ॥ अंमल १	दीप ॥ धल १
लइ ॥ मधी ॥ १	दीप ॥ हामाचिक १	मध ॥ मधी १ यनामधी १
दकना ॥ मानीक ॥ १	पुपि ॥ मधी १	दकना ॥ ललु १ दकना ॥ अह १
भासि ॥ बालचीनी १	दकना ॥ पुत्रा १	भासि ॥ यला १ भासि ॥ सुकमल
पासिमायाकवा १	भासि ॥ लव १	इमलसिकवा १ यलमायाह १
	पिलासीकवा १	

५ ली सालदाम् ॥ दिग २ पूजायाय १ सालदाम् ॥ मालाचीन ॥

१ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ गनवकु विधिमाह ॥ पुथमं गनवकु

गजाचार्यस्य गृहं गत्वा ॥ गुग्गुलु च धूप लालः विधिना संपूजा कृत्या ॥ सिंघा
ला गुग्गुलु च त्रैलोक्य मंजुलादिः सर्वं सहितं मर्चयं दत्वाः कृता कली माया
वधत ॥

॥ कलसपूजा आदि ऋक् यजुर्माही ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
स्वामी नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वसत्त्वानां संसारसागराद् इह
एः वृद्धत्वं पुत्रिष्वा पुत्राय ॥ यष्माकं सद्य गलचक्र मन्दलः पुर्वं
न वाक्यं जीवामी ॥ यष्मा हि र्यत्किंचित्कार्यः कर्तव्यं गतं जलिय
मिति ॥

॥ धनसा नमन ॥ ॐ नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं ॥ नमस्तुभ्यं

गायक ॥ अथ भगवत्पूजार्थः निर्मग्ननयनोऽस्य ॥ विचित्रात्रमं तुल
हत्या ॥ राजनादिकं कृत्यापुति निवर्क्येदिमि ॥ ॥ ॐ नमो भगवते ॥
विचित्रात्रमं ॥ ॐ ॥

ॐ नमः ॥ अथ भगवत्पूजार्थः ॥ गदवृत्तमदिनः पुष्पमं गज ॥ गल
मं तुल स्त्रान ॥ कल भदि पूजां कृत्या ॥ रसीश्वरं कृत्या ॥ गीतयत्त
मय रसी ॥ गीताचार्य लगीतयत् ॥ गुणवलि मर्कदत्ता ॥ सदम
तुल स्त्रान ॥ रग भक्तलन ॥ प्राकनं कृत्या ॥ ॐ ह्रीं ॥ ॐ नमो भगवते ॥
पृथीति लाउपत् ॥ रावनाई लई ॥ ॐ नमः ॥ यत्तमय रसि विराग्य ॥

पुनरुक्तं नरुमादत्वा ३ विमिश्रयत् ॥ पुनरुक्तं नरुमिस अविष्टान
माय ॥ ॐ भद्रनीवडाएव वडावधई ॥ ॐ पुनरुवडाकाइई ॥ ॐ आ४ई ॥
गधयई ॥ गगुमध ॥ दिव्युदिह पुष्पादिपुजाकृत्वाः भस्त्रेनपंचनत्र
सहितं नार्घ्यदद्यात् ॥ वाक् ॥ ॐ उह हिमहादवीपृथीलाकमागत्य ॥ सर्व
त्रसंपूर्ण ॥ दिव्यालंकारहविग ॥ राजन्निनादिग ॥ वडासत्पुष्पजितः
ॐ दमर्घ्यदत्वा ॥ तदमलुल पुष्पधयही ॥ ही ॥ ही ॥ हं स्वाहा ॥ दानपणि
नाकृतां अलीना प्रार्थयत् ॥ गध ॥ ॐ त्वं भूवर्द्धनी सा हि रत्ना नि ॥ सर्व
दाना यिना ॥ त्वयानय विष्णुष ॥ हामीपाजमितासुच ॥ यधमाजय

लंरुगं॥ भक्तसिंहनगायिना॥ गणमातवल्लरुगं अित्वा सर्वसत्त्वार्थका
नल्लरु॥ सर्वसिपुवध्वर्थ॥ सदमलुलकालयाम्पहं॥ पंचाप्रचालप्
जा॥ भक्तकल॥ किंयमन॥ गुग्गुलुकादकना॥ गणकल॥ गुग्गुलुम
भक्तनदीधी॥ ॥ गण् आर्द्राः इवाकंलु कनचन्दनागज्वयववा
ल॥ गणचन्दनचोतकनचमसिप्रियगुगुल्यागकात्रिसमिष्टममि
त्रिर्नप्रवमयत्॥ चकानुर्कुर्मस्वापनाय॥ ॥ गण॥ सिगुगुयागु
दाक्षीस्वान॥ आर्द्र॥ जकचन्दन॥ अगुग्गु॥ बाहाःवालः अर्चनः उप
कनचः मनसिलः प्रियगुः गालागगयाजागय॥ ॥ गण् आर्द्रा॥

मूलाचार्यलः वलु आदिय भवि विना सिंइ नार्चनं स्थापनं कृत्वा ॥ स
र्वगले ४ सह गुग्मं लुलदि प्रिसमाधी कुर्यात् ४ ॥ ४ वास्य पुहा
पायपजी अस्म न्न स इहा नाउ आसन स ची नाउ ॥ पूजा आर्चन
यासं ह्य ॥ ॥ गुग्मं लुल ॥ लयवली ॥ पंचगुह्यं ॥ पागु
पूजा ॥ सलाहिस ॥ सिंहु भय ॥ मन्त्र वाय ॥ पूजा ॥ पञ्चमी पूजा ॥ खठ की
ग्रि पूजा ॥ अष्टम भन वली पूजा ॥ विधी ॥ दव पु निमा पूजा ॥ मरु
नी ह्य ॥ आगी वा पूजा ॥ मं लुल पीय ॥ अत्र मं लुल ॥ कि गगन ॥ प्रिसमा
धी ॥ कलस ॥ सग्न ॥ मग्न पूजा ॥ मामकि पूजा ॥ दव पूजा ॥ पिथदी पूजा ॥

मं लुल पील कि गगन ॥ अतिवाला ॥ स्कन ॥ ॐ नि अ ए न ल क या वी
धी स मा र्क ॥ ॥ ५ न कि न ल प उ ॥ मं र य स ल र य ॥ पं च म न दि
ने सिल ॥ छा उ स्वा न ग य ॥ प का नि न व ल ॥ ज का पी ल ग य ॥ क मा ली स
उ ॥ पं च स र क न चि य ॥ द मा स वा य ॥ ॥ रा य ना ॥ का का धा
य क्षो द या ॥ दि पु डा क र्कि क पा ल धा जी ली ॥ उ क व का ज क व ल धा क
ला दी का रि न ग नी दु री ष ल ॥ न व यो व नाः वि कि ना स्या ॥ व्या यु च र्म क र्कि
व ता ॥ अ ल प क पु च्चा का ला ॥ उ ल या न ल स प र गः स म न द ली गा रि डा न
भी मा सा वि र षि ता ॥ उ ष्मि र व क व र्कि मि ता ॥ रि म् र य म् ल म् र व सि न

दक्षीण नील ॥ वामे हजोग ॥ खग रूडं वज्र वज्रयध विगः कजा सागु
लाक विजय मूडा ॥ स्वारपुष्पा लिङ्गिग कजा ॥ चक्र कपाल यद्वा ५५ ॥
संस्तु जातः नील मूर्ख ॥ मूल मूर्ख नील ॥ दक्षीण पीत ॥ वामे हली ॥ ४
खग रूडं पुष्प मशुजा सा स्वारपुष्पा लिङ्गिग ॥ वज्र मूर्ख ॥ नागपा ॥
गज नील द्वाग ५५ ॥ सर्वकाटा कली गोष ॥ पिंगु लक ॥ सरु कुठी
उष्टा कजाल यदना ॥ खर्वय भ्यादना ॥ विनता जक वनुला ॥ मंजुमार
ला लंकुगा ॥ नया स्वारपुष्पा लिङ्गिग विरुषिगा व्याघ्र चर्म कठिवृगा ॥ नागभृक
विरुषिगा ॥ अगि काटा कल्या नल यकल मनीचि सच या ४ ई काल

विन॥ दशकृष्टसमप्रयत्न॥

॥ धर्मलीपनीलाजन॥ ॥ पा

द्यादि॥ जक्रुचननं॥ ॥ पंचाप्रवापूजा॥ लासाच॥ वादनरुमि॥

॥ द्यादयामहाविलस्यादी॥ मंजुगत्पन॥ वली॥ ॥ नमश्चतुवडापा

नयस्यादी॥ ॥ नमश्चतु॥

॥ ॥ गिदिन॥ पञ्चाविधि॥

वज्रसमयाचार्यकृतानजसाहिरिता॥ ॥ इकदलेकमजीपलीस्यस्य

दान्यसा॥ स्वाइपृष्यदत्यारायन॥ रावना॥ यातुथाषिगा॥ वडायात्रा

हिज्जपा॥ पृष्यपागान्जपया॥ पृष्यपम्पणीसंभवजपविचित्र॥ ग

स्मागवाजाका॥ वाडमयुष्टीसुनगीकानदेवापुवि॥ ॥ अकर्म॥

ली

नीलाञ्जनादिनका ॥ ॥ गगाम्बरागवना ॥ गीतहाठारजल ॥ मुच ॥
वकि कन्दल कंठि चकु ॥ मयलार समय आकुर्म ॥ अ को त्या मिनार
जल सर्म व वेजाचना ॥ माद्यसिद्धि अहं चक उपान ॥ अमिठि विचिष्टः
गुञ्जान सल ॥ गभागलीन पुवि ॥ अ को त्या दिप जिल्लमा उमरुपा
उञ्जकादीन ॥ अ को त्या दि सगवा ॥ अर्वणि अचिम्ब ॥ अ ३ अ वाच ॥
अहं चक स्यादी ॥ ठिकाया विद्वान ॥ अं आ ४ ॥ पः लाः घः तु ॥
धन स्वा लक्ष २ न स्या म्प्रा पुजा ॥ निजाउन ॥ पः लाः घः सु ॥ ॥ धन
स्वानना ॥ अ स्व स म्पु उप या ना अ धर्म २ न सु य ॥ द व या म्पु ल म्पु न ॥

[illegible]

[illegible]

पद्मनाबील नमो नमो सिद्धि अत्मक ॥ आयत सत्यमृतयं वहि न अत्मसं
सिद्धि ॥ ॥ नो पल्लव नमो नमो माला ॥ दशरुत धिजा नमो ॥ स्वा
पाम प्रयसक सिंघा ॥ ॐ आयत हिह नमो नमो नमो नमो ॥ गुरुद नमो
बील ॥ नो पल्लव नमो नमो ॥ नमो नमो लिलि ॥ आयत सत्यमृतयं ॥ वहि
न अत्मसं सिद्धि ॥ स्वर्गागतमल्लपाय ॥ ॐ कन २ पुत्र ॥ ॐ नमो नमो ॥ ॐ नमो
पिनी यईरुठ ॥ गुरुद नमो नमो नमो नमो नमो ॥ आयत सः
त सत्यमृतयं वहि न अत्मसं सिद्धि ॥ ॥ ॐ नमो नमो नमो नमो नमो ॥
नमो नमो नमो ॥ ॐ नमो नमो नमो नमो नमो नमो ॥ ॐ नमो नमो

[illegible]

ॐ पुवि भगुरु गवन ॥ सर्वसिद्धि सख पुद ॥ पत्रमसुखिगुमसि ध्वर्थं ३४
ई वहा ४७ सिद्धि ॥ ॥ पत्रलीखानमाला ॥ यन्नि यत्त वा ना ॥
पूर्वया दाल र्वा पाखन ॥ वाक् ५ ॥ ॐ वडाग घाठ यस्मय पुव भय ई ४
प्येगु दिग भं वात्र र्वा पाखन ५ ॥ ॐ ३ ॥ अय चीना ॥ ॥ खानमाला मं ७
ल ॥ स का या राय ना या ना ॥ ५ मं ६ ॥ वाक् ५ ॥ ॐ पलम सुखा भय सु
लनेलीग विला मिग नमा मिता ४ ई वहा ॥ ही हा ही पुमि क क सुमा जली ॥ ना
५ स्मय सुहा ॥ नृः ॥ य पया र्वा क या र्वा नमा ला क राय ॥ ॥
पत्रली वडा र्वा ५ ना ३ मं ७ ॥ वाक् ५ ॥ ॐ वा क उ ॥ वाक् ५ ॥ ॐ का भ पा द

विंशत्वाधनादिनीधनपुद ॥ महावडसमयसत्त्व ॥ अकाखवडपु सिद्ध
मम ॥ सर्वरुममहासिद्धिमाहे ॥ अयादिदेवता ॥ सर्ववडधजाजाकार
सिद्धिमपुलमाकल ॥ निपाचमममममपि ॥ सर्वजागमनागिन ॥ न
त्वमसिद्धिमरगवन ॥ महाजागमहाजन ॥ अत्यन्तपुदधमागु ॥ अ
दिमरुसममगम ॥ समुद्रउपुदात्तायाविसत्त्वपुसिद्धम ॥ सर्वरुमम
हासिद्धिमाहे ॥ अयागुमडया ॥ सिद्धिवडमहात्कर्षान वडलाहय
ममम ॥ सर्वसत्त्वमनायाविसर्वसत्त्वहृदिस्थित ॥ सर्वसत्त्वपिनाच
वकामागु ॥ समयागिनी ॥ यनसगनसगनज्ञान ॥ पुद्गापायात्मनुत्त१४

गनसत्यमनाथं कामाक्षीपत्रीपूजयेत् ॥

॥ धनलिमं लुल

सहस्रं कनकाक्ष ॥ ॐ पुनिविंस्त्रसमाधर्माद्यादी ॥

॥ धनली

दिगुलिमं कनकाक्ष ५ ॥ नथगान्त्यनिर्यागा ॥

ॐ निसुपनमं लु

लं ॥ पुनिविंस्त्रसुठभिष्या सर्वकर्मसुकस्मषा ॥

॥ धनलिः सुकु

नः र्वाङ्गिहियर्क ॥ गालजाय ॥ मागपनि भावमयाय ॥

॥ गनचक्रकिया

प्राहा डाय मं लुलउस्यं ॥ शरवाजसुडाना ॥ दमरुडधिलाहागय ॥

॥ गन

चक्रकियाः र्वापागया ॥ प्राहा डाय ॥ डमनीकास ॥ बालवलीविय ॥

गीतु ॥ ॐ दादयाद्यादी ॥

॥ धननमस्तु ॥ जागमाला ॥ पंचमाल

[illegible]

॥ पत्रकउमाने शास्माद

हलप ॥ ॐ पु ल मा मि सर्वत भगवत्पु ॥ ॐ ह्यस्मान्निर्व्यात यामि ॥
उमनिबालिकाय ॥ पादार्घ्यः सुवर्ण इव कुरु स हित न ॥ पादपूजा गनव
कुक्षियार्ग ॥ मायायागदिक् ॥ दलपुनगय ॥ ॐ ॥ नमस्कुर्वन्मामि
ई न मा ई न मा ई सा हा ॥ ५ लीला ना उ व या हा ॥ गीतपु पु व न कली न ४
गनवकुक्षि नृपयाय ॥ ॐ ॥ ॐ नत्वा सर्वत भगवत्पु ल ग ना ॥ ५ जा
पु जार्थं पु ज ४ उ व जा स न नाम रूषित न ना ॥ संसाज दा ष गुह ॥ नृस्य
ई व ज वृद्ध गा पु न स म ॥ सत्साधनं गत्व ॥ नाना वर्ण भगवत्पु ज दिव
व ना द ह ग भ ५ क ५ न ॥ ॥ ५ न ली ग ल व कुक्षि य नृपयाय ४

गिगुमहिमं लुल॥ ~~सुम~~॥ यावत् सर्वसत्त्वा॥ सत्त्वं संगुह॥ संशु
हितां लुजावा॥ जलायुजावा॥ संलुदजावा॥ अंपपाइकावा॥ नृपि
नावा॥ अत्रपिनावा॥ नैवसंगिनावा॥ नामसंगीनावा॥ सर्वसत्त्वा
त्वांमया महामदामंरु पदपुनिक्वापयीतया॥ ॥ जागृत्वा
काय॥ जीकात्रमद्ययज्ञात्रं॥ हकात्रे लहेतुमुन्यं॥ नृकायमपगर्गय
ह॥ ककात्रे लहवीरुर्ग॥ ॥ कायकाय॥ थडां २५ संवाच ४
गालहाय॥ काकनः मलप्या हाडाय॥ अष्टमस्तानमानुकापुजाया
य॥ जीतकालसंज्ञात हापुगु॥ ५५५ पुन्यडां पुजायाय॥

गिनमयसांसिह्यववाहनाः ५३॥ २५ पिनृययाय ॥ ५३ ॥ मातृका
पूजायाय ॥ ५४ ॥ लावना ॥ ५५ ॥ ॐ पूर्वतु कायनीपीता ॥ ५६ ॥ कालवी
जस ॥ पुयागळे तु कसिगागरेजव ॥ नागक मजवकव ॥ म हापय
नाग व दाय दि स्म म न वि लाय ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

ल विजायसाहा ॥ ॐ पितामह कृतयसाहा ॥ ॐ अक्षितागरेल वायसाहा ॥
 ॐ पुर्षनागजा जायसाहा ॥ ॐ ॐ न्यायसाहा ॥ ॐ वंशगुणममनाय
 साहा ॥ पं: ला: पुं: तु ॥ ॐ पुं कायनी पीतवर्णकर्मलक्ष्मीशुभा ॥
 वरुवक विष्णुजाय ॥ नमामि हंसवाहिनी ॥ ॐ वंशगुणयती कर्जसल
 पति ॥ दग्धमिष्टुष्टिनी ॥ वज्रकर्कशिकादि ॥ द ७ गगनप्रीतस्तिनवाभु
 कि ॥ ॐ ॐ सफरुणमयना जलचनी ॥ वंशगुणामासहानुकाजोड ॥ म
 हविर्कागजसुर ॥ पाया निचपाभित ॥ ॐ ॥ ॐ माकायलग ॥ ॐ ॥
 कवर्गजाग ॥ ॐ ॥ अवाहन ॥ कर्पल ॥ ॐ ॥ ॐ उरूप जोदायनी मि

गा॥ कंकात्रवीडं आवागी कुरु॥ वन्द्यहे जयपुत्रा गवर्ध॥ भंखपालनागजा
जा॥ गङ्गाजादि ॥ सानविताय॥ ॥ पकपल॥ ॐ नृदायनी सुलपाक॥ ॐ
वनल २७ी द्युई रुठ साहा॥ जाय॥ ॐ माह ॥ र्थनमसाहा॥ पागम साहा
वस ॥ आयादी॥ ॐ मर् ॥ ॐ उरू ॥ जयनी दयीय प्राया वमद्युपुमिह
साहा॥ साववाय॥ ॐ माह ॥ जाय साहा॥ ॐ कंकात्र विजाय साहा॥ ॐ का
जागीनी कुराय साहा॥ ॐ वन्द्यहे जवाय साहा॥ ॐ भंखपालनागजा जाय
साहा॥ ॐ वे ॥ वनय साहा॥ ॐ पुः लाः द्युः रुः॥ ॐ उरू ॥ नृदायनी लुगाः
विभुल पात ॥ पिनी॥ विनेजा वायवडना॥ नमामि वषवाहनी॥ ॐ यकि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पिता गदादि यत्न ॥ जकन ककः उरु जयु ॥
 डी वृत्ती चकन नमः कुरु ॥ अथ विदुः मदः स कान नमः ॥ जीत त्व सोम क
 अनि यव ध यिना ॥ स ग क नमः हान रिम ॥ समान नमः ॥ ॥ डी ना
 काय ॥ ॥ य ॥ यव गजान ॥ सव ना ॥ ॥ ॥ ॐ पश्चिम ॥ दायनी क
 क मारा ॥ यकाल यी ड ॥ काला कल कुरु यव जल नागी ॥ ज्व कुरु जव ॥ काला
 कल नमः सान विराय ॥ ॥ यव उ तिल ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ दाय लो सव लो क
 जव गल २ जी वृत्ती कुरु सा हा ॥ काय ॥ ॐ कुरु ॐ दाय लो नमः सा हा ॥ ॐ ॐ ॐ
 सव गल २ जी वृत्ती कुरु सा हा ॥ काय ॥ ॐ कुरु ॐ दाय लो नमः सा हा ॥ ॐ ॐ ॐ

पुनिकुलाहा ॥ सानवाय ॥ ॐ ॐ न्यायनीनमसाहा ॥ ॐ वक्रालविजायसा
हा ॥ ॐ कालाकुलसमानयसाहा ॥ ॐ प्रवृत्तवायसाहा ॥ ॐ वज्र
गजाजयसाहा ॥ ॐ विजपाकायसाहा ॥ ॐ कालाकुलायसाहा ॥ पु-
लाः पुः पु ॥ ॐ ॐ न्यायनीककुमागीच ॥ वज्रकुलासृजिजी ॥ सहस्र
वनाभोम्या ॥ नमामि गजवाहनी ॥ ॐ ॐ कालाकुलायसाहा ॥ स
थात्रपागमिना ॥ वशिष्ठवृत्तसुभाद्रनीपमि ॥ नमो हि कर्कटक ॥
ध्याजगजनिवात्रिदसमृदिता ॥ कालाकुलपत्निमसा ॥ नमो नमः
नवपिवजगा ॥ सोलकुर्हिगता ॥ सजगाय ॥ ॐ ॐ वज्रजिह्वा ॥ ४

रावना ॥ ॐ नमः ॥ ॐ दक्षिणवाजाहिटकाजवीर्यं ॥ कपिलदेववर्कलक कर्तुं
रत्नकवर्क ॥ कुलीकनागकलकदेववर्कसप्तानविराज्य ॥ ॐ नमः ॥
आवाहन ॥ ॐ वाजाहिरवर्कलक नवतल २ आवाहन ॥ ॐ नमः ॥
ॐ दक्षिणवाजाहिरवर्कलक नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
कन्यवाजाहिदवीयप्रायाचमय्यपुनिकसाहा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
यसाहा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
नवायसाहा ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
वायसाहा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

रा ॥ घाजवका विभजाका ॥ नमामि महिषासुराहनी ॥ ॐ याम्यां कृष्णय
मापि चक्रीन ॥ दंष्ट्रादिपा भंसदा ॥ आरुन्ध्यामहिषी पणुविधवजा
पाकाहिजिकाधिप ॥ कर्लाष्टमवक ॥ पुनिदिगं वरुं कर्जका महान
कालकुलकलादकर्द्वयदना ॥ नका कर्जकसुधा ॥ सकगाकाय ॥ अ ॥
नवगजाय ॥ अ ॥ रावना ॥ अ ॥ ॐ कुरु कोमालीचका ॥ नकाचवीज
भं ॥ अदहासकुरु ॥ ओरहेलवंकर्जकवक ॥ महापुर्मजागी ॥ अदहा
सम्मभनविराग्य ॥ अ ॥ पुन ॥ ॐ कोमालिकुललीक ॥ अवनल
जीपुईरुठसाहा ॥ जाप ॥ ॐ कुरु कोमालीचनम ॥ साहा ॥ पागम ॥

रुद्राय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीमत्पुत्राय नमः ॥ श्रीमालीयपायाय नमः ॥ श्री
निकसाहा ॥ श्रीनवाय ॥ ॐ श्रीमाजीयसाहा ॥ ॐ गकाल विजायसा
हा ॥ ॐ कालसीकायसाहा ॥ ॐ श्रीदरेजवायसाहा ॥ महापुत्र्या
साहा ॥ ॐ अहयसाहा ॥ ॐ अहहासायसाहा ॥ पुःलाः पुःतु ॥
ॐ श्रीमालीयकवर्धनी ॥ नर्किहसाहयात्रकि ॥ विनया विजाद्री
व ॥ नमामि भिक्षु वाहिनी ॥ ॐ अहय्यादहनकमलुत्तुधजा ॥ मंजु
कमालाविता ॥ उक कगगतामजालधवली ॥ नरुभमहानगद ॥ ४धा
नावति धव ॥ गगागऊ मुराहा ॥ साहसा महान ॥ उकाराकि क

जंऊ सोपि वसदा ॥ सत्या दहासं २५ ॥ सक गी कय ॥ ॐ ॥ पर्व
जाग ॥ ५२ ॥ लावना ॥ ५३ ॥ ॐ नेम्य लवेष्टु ॥ पकाल वीऊ
ऊयनि कउ हे जव ॥ पक ठि वृ क ॥ ॐ नने ना गंत लक्खि वन ई गा ५३ ॥
॥ ५४ ॥ कसम ॥ ॐ वेष्टु वि विष्टु लोक ॐ वग ल २ ॥
पुई रुठ १ साहा ॥ जाप ॥ ॐ रुठ वेष्टु वीय नम साहा ॥ सगवस ५४
प्रायादि ॥ ॐ मृग ॐ नेम्य लवेष्टु विय प्राया वम ना द्ये प निष्ठ साहा १
सान वीय ॥ ॐ वेष्टु विय साहा ॥ ॐ पकाल विजाय साहा ॥ ॐ ऊयनि
केशाय साहा ॥ ॐ उम नहे जवाय साहा ॥ ॐ अन नाय साहा ॥ ॐ नेम्य

ॐ

आयसाहा ॥ ॐ लर्किवतु संसनायसाहा ॥ पुःत्वाःपुःतु ॥ ॐ वेष्टु
वी ॥ मवर्क ॥ रा ॥ वकुहसामनीरवा ॥ तिनतासोमेवदना ॥ नमामिगत
उवाहिनी ॥ ॐ कृष्णमस्तु कतजनीधजतियसा नोमवनेष्टुति ॥ सोलु
लीविनपुज ॥ मविषधजी ॥ इनकापिनीलाकृति ॥ पर्दद्यामधमवका
प्रकृष्ट ॥ कर्पुजकोमहान ॥ सर्वधनमहारयं कजवल ॥ लर्किवनगड
न ॥ सकताकाय ॥ वा ॥ यवगजात ॥ ॐ ॥ रावना ॥ धान ॥ ॐ
वायव्यवाम्दीजका ॥ यवातवाजं दवीकाठ ॥ न्यगृह्ण कर्तु ॥ सहायद
यव ॥ उइमवचक ॥ वासुकिनागधाजाधकाज ॥ मन्मन्विराव्य ॥ धप ॥

[illegible]

आशाकरवाथि

2679

I

ASHA ARCHIVES

पमिदुजामकपुल ॥ मद्यनिसमवर्तकापहजीगाद्याजामगमसामा
न ॥ लंगलीगिकजी इङ्गन ड मगगा द्याजामकायवभन ॥ सदन
काय ॥ ॐ ॥ मद्यगजाग ॥ ५ ॥ लवना ॥ ५ ॥ ॐ ॐगीभनमहाल
किंलगाभकायविऊ ॥ वजिगकउलीषलंरजव ॥ वठवकंगदकनागी ॥ कि
जीकिलाजगय ॥ समसानविलगय ॥ ५ ॥ पः इङ्गम ॥ मवाहन ॥ ॐ महाल
किंसललार्कवगल २ गीद्युङ्गउङ्गदठसाहा ॥ आपथ ॥ ॐ इङ्गठ
महालकिंयेनमसाहा ॥ पागा ॥ खलवसधपायादी ॥ गीमत्गी ॐ
भनमाहालकिंदवीयपायावमनार्थपुनिकसाहा ॥ लनवाय ४

ॐ महालक्ष्मि य स्वाहा ॥ ॐ सकाल विजाय स्वाहा ॥ ॐ चलीत रुगाय स्वाहा ॥
ॐ लीचन रोज वाय स्वाहा ॥ ॐ गरुड नाग जाजाय स्वाहा ॥ ॐ हुं नमो नाय
स्वाहा ॥ ॐ किली २ सप्तनाय स्वाहा ॥ पुःलाः चं तु ॥ ॐ महालक्ष्मि मिता
गीव ॥ पाठ विंइ विष्णुजीनी ॥ नानादल नवितर बाडी नमामीसीहवाह
नी ॥ हुं नमो नमो सजी नमो वृष धन ॥ गुर्वक पाल महन ॥ ॐ नमो
नमो नमो मनी धन ॥ श्री नमो पाल सुत ॥ नमो वृष मह वि की
वृष मर्य ॥ गुण वर वृषि न ॥ वं न चंद घन ॥ नमो मि न विल
नमो सप्तान सदा ॥ लव काली को माद घं पागः खड काज ॥ जाग

कल्याणाय॥

॥ धनं ^{दा} लभे ॥ अगुं अं पु तिरुगिदर्यलगतं ॥ वि

॥ सदा यादुःखं ॥ गदग्मलचक्रमदयगया ॥ अरुति काठिसयं ॥ गत्संर
तिवधुस्तुसंगमदिनं ॥ आनानादेसदीया ॥ अना नसमापिवस्तुसद
यत्समेनमः सर्वथा ॥ ॥ जाग ॥ ॐ गि अरुस्तुसानपुजा विधिः

धनवृद्धवलसङ्ग ॥ ॥ अरु ॥ मृत्वाचार्यनवाय ॥ ॥ वृद्धवजम
हाविल ॥ ममचक्रावनकम ॥ दानपतिमनसापुर्ण ॥ जीवुं मंगल
गम्यतां ॥ ॥ मृत्वाचार्यनवृद्धवल अवाहनयाय ॥

आत्मानवृद्धवलनाम ॥ महाकाठजाऊरुकाजारव ॥ विधिस्तु

आह्लापयति ॥ ॥ बृद्धवर्जनीय ॥ ॥ अक ॥ किंमाह्लाकृत्तना
प ॥ आगका मितवा किं ॥ किं कजामि कृगका मिता पुमाह्लाच
दहिम ॥ ॥ हानमूलनीय ॥ ॥ अक ॥ बृद्धवलमहाकादजातः
दमयिदिदिषदग ॥ आयाका सर्वमालानी ॥ कपनीयुत्वयाकृत्त
बृद्धवलयागकादय ॥ दंडाहाय ॥ मूलयागकाद ॥ ॥ बृद्ध
वलनृयाय ॥ शिरीतिनाप ॥ पत्र २ सः पदकाय ॥ ॥ धनली
बृद्धवलनीयः नवाकपनीनापदकाय ॥ पु ॥ शीलानवका
कृगकाधरूप ॥ नीतवर्लविचिम्न ॥ ॥ आलीरपदकाय महा

ॐ ॥ विष्णुर्लया २ सर्वइष्ट देवादिपति ॥ मालानर्कद्वय ॥ ॥ शुभ
तु सर्वविद्याया ॥ कायका किर्तुसंग ॥ अस्त्रज ॥ श्रीमान् श्रीराम
कृष्णजक ॥ चक्रलदीपवपुष्पस्नानयामिति कायजान ॥ लयय
यदिमकन्निदिलीर्यदगुनामथ ॥ पात्रनदिश्वंधन ॥ विंइ विरय ॥
वाक् ॥ ॐ संसर्गसंरुईद्वय ॥ अस्त्र ॥ स्वचिह्नसनाडा ॥ योग ॥ शुची
काय ॥ ॐ नृकमुचिक ॥ वज्रपदमहाक्राद ॥ रंज २ सर्वइष्टा ॥ सजान
ईद्वय ॥ २ ॥ दकल ॥ ऊर्ध्वरुवनमथ ॥ न्नात्मानवज्रपाग ॥ महा
क्रादरूपपीनवर्णविचिंश ॥ पुण्यालिरपदवज्रमहाक्रादविष्णु

ॐ य २ सर्वयमादीमालानाईरुठ ॥ ग ७ कुशादि ॥ दिग्वं ७ न विं
इ वि य ॥ ॐ ग रु ग रु रु रु रु ॥ नेज ॥ प ७ जन जाजा ॥ पा ग ॥
पु वि रु ॥ ॐ वि पु वि रु व रु पद ॥ महाकारुहंज २ सर्वइक्षान स्रजा
नईरुठ ॥ प ७ ॥ उजग विपति ॥ पा ग ॥ पद ॥ ॐ वजस्राम
स्रजा ७ रुप रु व ७ वि वि य ॥ ॐ वेसाषपद वजस्रामहाकारु ॥ विपु
ॐ य २ सर्वइक्षानाग दिमानाईरुठ ॥ ग ७ कुशादी ॥ विं इ वि य ॥
ॐ ग हापय ग हापयईरुठ ॥ वायु ॥ समिन्ननाम ॥ पा ग ॥ पद ॥

ॐ पंच मुखाय वज्रपद महाक्रोधाः रंजय २ सर्वइक्षानः स्रगानईरुठः
उ ॥ यद्गगनयाजा ॥ पागम ॥ पद ॥ ॐ वज्राम्बलमहाक्रोधाः रंजय
॥ मयवर्क विराग ॥ ॐ मंलुलपद महावज्रक्रोधाः ॥ विद्युर्लय २
सर्वइक्षयकादि माजालईरुठ ॥ ॐ ॥ कुलादी ॥ विंइ विच ॥ ॐ श्रा
नयहा ॥ रगवन विष्णुयाजाय ईरुठ ॥ ॐ ॥ ॥ वृडगनेभन ॥ पा
गम ॥ पुवि ॥ ॐ विष्णुसूत्राय वज्रपद ॥ महाक्रोधाः रंजय २ सर्वइक्षान
स्रगानईरुठ ॥ पूर्वसंयु ॥ ॐ उरु रवन ॥ पागम ॥ पुवि
ॐ मनि काल ॥ ॐ रमली जालपद ॥ महाक्रोधाः रंजय २ सर्वइक्षानः स्र

जान ईरुठ ॥ मध्य ॥ वाकली ॥ पाग ॥ जाग ॥ लुमक ॥ ॐ अकलाय
हिलया रूप ॥ दमयकि दिव्यदम ॥ दमक्राददमदिसकीलयसय
नाथरु ॥ जाग ॥ काद ॥ पादार्थ ॥ दमपय ॥ देवहाय ॥ इहउम ॥
गदनीकयः दमक्राधदि कीलक वक्रव्यल ॥ दकि लरुसिन ॥ जक्रक
सममुग्य ॥ वक्रमृगलल ॥ वामरुसिन ॥ दमक्रादि कीलक ईउं ॥
ॐ गिसिने लदीयां श्रितिन गहीत्याम लुलपुद कि लं कालयत् ॥
पूर्वादि कुमनदि ग्वधन काय यत् ॥ विंइ विय ॥ ॐ सूरनी सूर
ईरुठ ॥ ॐ गुरु २ ईरुठ ॥ ॐ गुरुपय २ ईरुठ ॥ ॐ अजयहाग

यन विद्या जाजय ईरुठ ॥ धर्मन याना मं लुलक वा कडल ॥
किजल पूव सुगया ॥ हनः वडय ॥ धना गम धाप जप ॥ रिणु
वा कपदं मं लुलक उल ॥ गम धा ॥ अफ ज कुर ग वं की ॥ यक विल
ठ पग ना ॥ अहं कुरु लय ज ४ जीमानः आझा वकु प्र पूजया ॥ य
लदी फव पूषा ॥ स्ना ज या मि शिका य जान ॥ लंघय यदि मक मि
दि सु अदु नान्य धा ॥ ॥ ॐ न्यादी गम धा याः मं लुलक पद की
लंकृत्वा ॥ गीगादि नायक न की लय ॥ ॥ ॐ द वज ५ क व वा
हाय ॥ ध किजल पूजा याय ॥ ॥ पूर्व किजल गाय मं लु ॥ ॐ द

यद्याह य २ सर्वज्ञान ईदृढ ॥ ॐ किञ्च य २ सर्वपापान ईदृढ ॥ ॐ व
ज्ज किल य वर्ज्यं न श्रद्धा पयति ॥ सर्वविद्युविनायका नी ॥ काय
वा किं ईव जानकी लय ईदृढ ॥ यज्ज नमोऽः आरुहृष्टि सया की
पल ॥ मनुष्य ॥ ॐ वज्ज मज्ज लवज्ज की लय मा कोठ य ईदृढ ॥ ॐ श्री
ई वज्ज च लु सर्वज्ञा प्रदानः सपजीवा न की लय ईदृढ ॥ पाग ॥ न
य ॥ यज्ज अपुजा ॥ ॥ रावना ॥ ॐ का का न ईदृढ ॥ पः लो पु पु ॥
ॐ पूर्व सपल मपनी ॥ रिनाई न इति पुरा ॥ पालरूपी पर्वया की ॥ का
कतु लु न मा म्पह ॥ ॐ ॥ जी वज्ज सत्य पु ईव वा कृ य ॥ ॐ ॥

उरुसु कि जल गाय ॥ पूर्ववर्त्मनः ॥ पाग ॥ राव ना ॥ ॐ नमो भगवते
जार्क ॥ सर्वइष्टकृपया न स पजी वा जानकी जय श्रुं दूठ ॥ पाग ॥ न
ए ॥ शक र्धन ॥ ॐ उलू का ॥ ॐ दूठ ॥ पः लाः घः तु ॥ ॐ उलू यक जा
यु धं मथनी ॥ मय वलूक ॥ महा किरी म नृ पि च ॥ उलू का ॥ नमा
म्यहं ॥ पणि ॥ जीवत सत्य ॥ पणि मदि ग द्वापि ॥ ॐ ॥ पूर्वव
न कि जवाक् ॥ राव ना ॥ ॐ नमो भगवते श्री सर्वइष्टकृपया न स पजी वा जानकी लय श्रुं दूठ ॥ पाग ॥ नृ
ए ॥ शक र्धन ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ पणि मजक वलूक जी ॥ नाग विपणि मद

नि॥ ध्यानादृत्य सविदुः शान्तिः॥ ॐ नमो नमो नमो नमो॥ दृक् ॥ जीव
जसत्वं॥ दृक् लोदिगदाय॥ ॐ ॥ दृक् नमः॥ शायना॥ ॐ आ १ ई
वउ ई ३ ली सर्व इषु यमसपत्रिगान॥ किजयई दृठ॥ पीगम॥ नृप॥
आकर्षन॥ ॐ शुक्ल लो ६ ई दृठ॥ पः लाः यः तु॥ ॐ दृक् लो ह मय
ली जी जीः कु गान्क दर्प ल ह ली॥ ध्यातय धर्प न नादीव॥ शुक्ल ला
ॐ नमो नमो॥ ॐ ॥ जीवजसत्वं॥ दृक् हि न व को ल॥ ॐ ॥
शायना॥ ॐ आ १ ई वउ य क सर्व इषु दृह नान॥ सपजी वा जान
किल यई दृठ॥ पीगम॥ नृप॥ आकर्षन॥ ॐ यम दा दी य ई दृठ ४

पं:ला:घ:तु॥ॐ अ॒ग्ने॒मा॒ल॒प्र॒ह॒द॒वी॥ कृ॒ष्ण॒पी॒ता॒र॒वी॒ग॒हा॥ द॒ह॒ना
वि॒प॒यी॒द॒ह॒न्॒व॥ य॒म॒जा॒दी॒न॒मा॒म्य॒हं॥ नै॒म॒॥ श्री॒व॒र्ज॒स॒त्स॒॥ दि॒ग्नी
य॒व॒ल॒की॒र्न॥ ॐ ॥ अ॒ग्ने॒ऽह॒र्न॒म॒स्य॒वि॒प॒ति॥ जा॒ह्न॒स॒ग॒ल॒स॒प॒
त्रि॒या॒जा॒न॥ की॒ल॒य॒ई॒द॒ह॥ सो॒म॥ नै॒म॥ अ॒र्क॒र्ष॒न॥ ॐ य॒म॒इ॒
ति॒ई॒द॒ह॥ पं:ला:घ:तु॥ॐ नै॒म॒स्य॒पी॒त॒न॒का॒रा॥ कृ॒ष्ण॒जा॒वि॒प॒म॒
द॒नी॥ धा॒जा॒ह॒स॒व॒द॒नी॥ य॒म॒इ॒ति॒न॒मा॒म्य॒हं॥ वा॒य॥ श्री॒व॒र्ज॒
स॒त्स॥ वा॒य॒व॒ल॒की॒ल॥ ॐ ॥ रा॒व॒ना॥ अ॒ग्ने॒ऽह॒र्न॒म॒स्य॒व॒ल॒ः

सर्वइष्ट बागादि ॥ सर्वजीवानकीलयईरुठ ॥ पागमन ॥ नृप ॥ शकचर्ष ८
 ॐ यमदक्षीयईरुठ ॥ पंःलाःघःतु ॥ ॐ वायव्यजकु ममादी ॥ सप्तना
 विषमदन ॥ मोजाविहयदा जोडी ॥ यमउद्धी नमाम्हा ॥ हुम् ॥
 आवउसत्य ॥ हुम् ॥ नवनकोल ॥ ॐ ॥ पूर्ववर्क कि जलवाक् ॥ रा
 यना ॥ ॐ श्र ४ ई वउलीष ॥ सर्वइष्ट हुम् ॥ नाविपानी ॥ सगलपनी
 गानाकि लयईरुठ ॥ पागमन ॥ नृप ॥ शकचर्ष ८ ॥ ॐ यममथनीयई
 रुठ ॥ पंःलाःघःतु ॥ हुम् ॥ नृप ॥ मकु सुअ ॥ हस्तमदर्पहात्रिनी ॥ मा
 नविधंसनीदेवी ॥ यममथनी नमाम्हा ॥ ॥ पूर्वसंतु ॥ आवउसत्य ॥

उष्टिष चक्रवर्ति ॥ ५२ ॥ पूर्ववर्गदि न लवाक ॥ उद्ध या रावना ॥ ॐ
आष्टिष चक्रवर्ति ॥ सर्वइवार्द्धु आदीस गलप विवाज कीलयइ
रुठ ॥ पाग नृप ॥ आकर्ष ॥ ॐ उद्ध यवला यईरुठ ॥ पः लाः युः सु ॥
ॐ उद्ध या कर्दया इकाग हाष्ट कादिश चजी ॥ मालविधं सनी नाथ न
माउष्टिष चक्रवर्ति ॥ ॥ पणिमस ॥ श्री यउ सत्य ॥ हर जाउ ॥ ५
पूर्ववर्ग की न लवाक ॥ ॥ उद्ध या रावना ॥ ॐ आः ई हर जाउ व
उकाउ ॥ ५ ध पृथिवादि सपजीवा जाव की जयईरुठ ॥ पाग नृप ॥
आकर्ष न ॥ ॐ उद्ध या रावना यईरुठ ॥ पः लाः युः सु ॥ ॐ पृथीना

गमसुजाइकाहवजासाजमंडितं ॥ यथकासिद्धिदाताज ॥ शुभजाज
नमाम्यहं ॥ ॥ म० स० तु ॥ ग्रावजसत्य ॥ दुरुदिह ५ पागम ॥ जा
गकलाकाय ॥ ॥ ॥ ॥ ॐ य ४ सत्वाभयनित्यं शुभगिपजीहव ॥ का
पईकाजनाद ॥ गत्यविद्याघटितघनघना ॥ धाषसानन्दमूर्ति ॥ स
साजाकायकाजागुहविज्ञज्ञादाज ३४ यथलला ॥ दिक्कुकाच
वजा ॥ ॥ गनकनकमलकी ५ जाठ नमाम्य ॥ ॥ जागकलाकाय ॥
ॐ निदिनलगायविधि ॥ ॥ यनमलाचार्य ॥ ज्वलवान ४
॥ ॥ ॥ ॥ ॐ वलुमहाजाषलंवीलं ॥ ममवकानकम ॥ दानपु

ममनसा पूर्ण ॥ श्रीमया शुभमया ॥ ॥ अचलं वाम तु ॥ ५ ॥ ॐ
किं माझ कुरुषुना ५ राग कामिग वादि ॥ किं कजामि कं गकामि ॥ मि
धुमाझ चरहिम ॥ ॥ मूल ॥ ॐ चंद वील महाकाट जाऊ
सर्व विद्युं विना भन ॥ दान पुत्रः सुख संपर्कि ॥ श्रीमया शुभमया ॥
काम माका दि संपाफ ॥ सिद्धि र वहु त्व सदा ॥ गिरव न उर वील त्वः
शपद नय त्व कुरु ॥ ॥ अचल याग उर नय ॥ मूल या काट ॥ ६
वहाय ॥ गीग पुत्र लीग ड का ल ॥ वतु दि गस या उ नय ॥ पागमः जा
ग ॥ काट पादा र्व ॥ द न पुत्र ॥ लिहा उ य ॥ गीग ॥ सकल उ ॥ नय ॥
ॐ ॥ ॐ विष्णु लो क सुदा ॥

॥ अ० ॥

॥ अथ विनीहि न वाम जान् ॥ सवहस्र चषड्य ॥ नदिन
न कलम्बो ॥ नजनीम किपा मं ॥ निविदिगद्यन मजी जं ॥ चन्दज्ज् च
चवक् ॥ समयगुहवविद्युहं नावलायं ॥ जाग ॥ दडा क्काय ॥ इहा ॥
॥ नदत्रयस्थ न सिखा न क्कय ॥ गीग पुष्पादिन ॥ या
न प्या र्दय ॥ ॥ अ० ॥ ॐ नृ नृ नाकु पुदर्यो ॥ निलसिक्क चय्य ॥ अथ
कृ कं ७ मान ॥ वजा लिखाय पा ले पयिगत निराल ॥ सिष माली न
माली ॥ वाजा खासु वि कं ७ घन मि व ॥ न ठिगा नाग च मा रुजीय ॥ पा
या क्की सं वजा य ॥ शिरवन विजयी ॥ जदिनी चकु वरि ॥ ॥ जाग

कृत्वा काय ॥ मना कृत्वा पदपे ॥ ॐ नि नि वि वि वि वि वि ॥ ॥ गद नृत्त

स्थाने किं वा यथा युग्मं पूजयन् ॥ ॥ धनं धडा २ धास चाना धा

कलपे ॥ ॥ मल्लपात्राः पंच माली ॥ कथं वाः आसं खली ॥ पूजा

अंशु च वा पा सहितं विद्य ॥ इत्युपकारः धनाः लंपिका माला ॥ ॥ मध

सगल वडु मजयाहुडा न्य धाला कलस ॥ संग्वन ॥ मग ॥ पंच माली गव १

खाद ॥ मलपात्राः काउ धमागा स पनिकं तु र्मं लुल समाधी या यमाल ४

उपा धा याहुडा न्यः धार गग स नि मव ली याग ४ सन माल पूर्व सः न

का ध ॥ उल वल मुक्ति पात्र ॥ उरु न स अ डि धः यन वल ॥ नयी व्याप

धया तुः कता ॥

[illegible]

डोदभयत् ॥ ॐ ॐ न्यायसाहा ॥ सादी ॥ चतुर्दशलोकापातायपुनि
केसाहा ॥ ॐ निमन्त्रे लपाया वमनः प्रादुमर्नदयान ॥ ऊर्ध्वं हा ॥
नमीवलीमन्त्र ॥ ॐ द्यादि वजाद्यादि ॥ ॐ नमीनलत्रयायत्यादि ॥ ॐ
नमीरुगवयनिभरेजवायचिलि रकिलीनरूपे ल ॥ मृषिकागुर्ल
यश्चामिमर्कठ ॥ लमृक ॥ वजाहयक जाक सादीना ॥ सिलिरि
लि रसाहा ॥ एतन्मन्त्रे ल एह रूपमा ल ॥ लीष्टक वाः ॥ उद विं मनि वाज
पलिउण्यः गुरुकुरुवाणि कार्यावाः चतुर्दशलोकाष्टक द्विपन निरूपड
वाहवर्गि ॥ अथवा विषः लवनजाति काः सष मूलः वीजं वा प्रतुजवीजं

वाः महाकालबीजं वाः ॐ नमो यतु न संयासः महीषः शुक्र नमः गम जा
लमः वाज्रविजय ललायद्विपत्त ॥ पंचांग चाल पृजा ॥ योग ॥ गनम
लुलला नादहिः चतुर्धा लक्ष्मि पयत् ॥ ॥ पंचाङ्ग नमः गम यत् ॥
धनत्रादिकाय ॥ मं लुल पिल ॥ दनपेति नमः मं लुल कल्याः कं गा
जलिनाः नमः या गम था या ॥ नमः लाल कल्या ॥ ॥ ॐ नमः लाल
ल वक्र नाय ॥ नमः लाल नदायिन ॥ नमः लाल शुद्ध नपायः नमः लाल रुवगा
नमः ॥ नमः लाल तु ३ नमानम ४२ क्का हत्या नमः लालामी ॥ गल वक्र नाय
नमः लाल ॥ ॥ धनवली विजय ॥ पंचाङ्ग दिगमः वली क्काय ॥ ॥

११४ समाधिं च कावयन् ॥ कृत्वा सामधनसा ॥ संपूर्णवत्तु समाधिया
य ॥ गीत अनील ॥ कल नपूजा ॥ गीत कल नयन ॥ पंचमजी धापी
पूजा ॥ गीत नकवर्ण ॥ सर्वगना धूप दाययन् ॥ मालसाः मातापिं
दकं शोधययाय ॥ गीत नमो ॥ दकं दिक् ॥ ॥ धनपुनिमाद

यपूजाः अर्पणल सपूजा याय ॥ गीत उच्यते ॥ गद न सय मलुलः अ
र्पणल मलुल पृष्ण नो म ॥ कं लुइवा मक मक पुनिद लापयन् ॥ द्वा
शालान मूनि २१ का मालः शुधाद म लकः ॥ न पृष्ण पु कि पय ॥ मी
ल पागम पय ॥ ॥ ॐ श्री वज्र हृ ह ज ज क ई ह ठ ठा कि नी जाल स

[illegible]

कयुवकुऊक कायगु ॥

॥ विरु वकु ऊकापिषः ऊरुलामवि

लीमविलापन ॥ अं कतु २ पुच लईरुठ ॥ अं कतु २ वलु कीलय
ईरुठ ॥ अं वध २ पुशमगियईरुठ ॥ अं गायमसहनाअईरुठ ॥
अं काएय २ विजमगियईरुठ ॥ अं ईरु २ खर्वलायईरुठ ॥ अं ईरु २ ली
कनजीयईरुठ ॥ अं ईरु २ मकाथईरुठ ॥ ८ ॥ कायवकु ऊकापिषः
अं ईरु २ नेजावगियईरुठ ॥ अं ईरु २ महारजयीयईरुठ ॥ अं पस २
वायवगईरुठ ॥ अं ईरु २ वसव विजानु मालावली विम सुजारुकी
यईरुठ ॥ अं गुरु २ सफ पागाल गग कुडग ॥ सफ माः गऊ य २ वध

मादेवायईदुठ ॥ अं शक २ सुहंयईदुठ ॥ अं ह्रीं रहय कर्लई
दुठ ॥ अं ह्रीं २ रागमननईदुठ ॥ ८ ॥ कायचक्रायजुषु ॥ अं ह्रीं २
चक्रवृगयईदुठ ॥ अं २ रागमनाहईदुठ ॥ अं ह्रीं २ सोलिनीयईदुठ
॥ अं ह्रीं २ चक्रवर्णिनीयईदुठ ॥ अं विजा २ महावलईदुठ ॥ ८ ॥
वाजकायचक्रययाह ॥ अं काकाहईदुठ ॥ अं उल्लासायई
दुठ ॥ अं ह्रीं नासायईदुठ ॥ अं शुक्लासायईदुठ ॥ अं यमजदिय
ईदुठ ॥ अं यमइगीयईदुठ ॥ अं यमडुडीयईदुठ ॥ अं यममथ
नीयईदुठ ॥ ॥ यमजदियसाय ॥ अं वल्लाहायसाहा ॥

ॐ गंङ्गा त्वा य स्वाहा ॥ ॐ काला कुला य स्वाहा ॥ ॐ कल कल रे ज वा य स्वाहा ॥
 ॐ ज्जंहासा य स्वाहा ॥ ॐ लर्कि वल्ङ्गता म ना य स्वाहा ॥ ॐ धो जा ध क जा
 य स्वाहा ॥ ॐ किली किला य स्वाहा ॥ पः लाः पुः तु ॥ गल च कु किर्या जा प या
 य ॥ ॐ धर्मा वा ॥ अका य मर्या ॥ ॥ धन मूल पु मर्याः गल च कु कि न
 ध प थ नाडाः माया आवे मः उल्लान ॥ ॥ ध प क दं ग ही त्याः सर्व न
 रु ग ए गी त न माई ॥ ॥ अ क ॥ ॥ ॐ नृ प पादा वि घाता ॥ उ व नि रु व सु
 ध च कु नि रु र न र ॥ स रू गा था धि वृ द ॥ वि रु ल ड ल ध ल य्या फ दि
 क का न्द द मं ॥ उं आ म्य वा रु द्भु द ॥ पु क्क नि प जि रु र्वा ॥ आ न्द न क रु पा

लं॥ मानन नृणा वगालं हलतु हगवत् ॥ कालुर्वहृत्कस्य ॥ वागः पागम् ॥
धनस्य पुजा ॥ शकः सः समयः ॥ ताः पश्यापचालपुजा ॥ कृत्वा गम्य शदिः
विय ॥ ॥ धनगमवत्तु यानं ॥ गीतगस्य नर्मलुलचिन् ॥ मागदि
के ॥ ॐ निस्यमं लुलपुजा विविममार्फ ॥ ॥ धनमृता वायु उल्ल
न या ना उधानं ॥ मृता वायु नृणा ॥ गीतगु च निलजन ॥ बलं २ पमि अक ॥
पागम् ॥ पूर्वा वायु अक ॥ ॥ ॐ त्वय उ सत्य पुवनं ॥ नल सत्य अगोः
गाया हि मां निसनाह महार्थ कामे ॥ कामा हि मां जनक सत्य ॥ महागव
धे ॥ यदि कस्तुति यतु मय नाथ ॥ पागम् ॥ दक ॥ नउरय ॥ लुअक ॥

अंत्यवज्ज कायवक्रसत्य ॥ प्रियाय चक्र ॥ पृथ्वी पक्षि पल्लमाथ हिता नृद
नी ॥ गलग्न जाग समया समकामयस्य ॥ यदि कसञ्जीवतु मच्च नाथ ॥
पाग ॥ पणि ॥ अकर्म ॥ अक ॥ त्वय्य वाय सकल हिता नृकपी
लाकार्थकार्यकवलसमगुपि कर्तुः कामाहिमा सुवचय्य समकुरु उय
दी कसञ्जीवतु मच्च नाथ ॥ पाग ॥ उरु ॥ डिमपवि विड ॥ अक ॥ ४
अंत्यवज्ज कर्मसमयाग्र महाहितार्थ ॥ सर्वद्वयमभिवक्त समगा नृकमी ॥
कामाहिमा तुलनिधु ॥ वक्रवल्लरग यदि कस ॥ जीवतु मच्च नाथ ॥ पाग ॥
थपमर्न नृयाय ॥ डिमकुलमाडु ॥ पाग ॥ गगकलाकार्य ॥ पञ्च

सर्गः च वायापुद २ समृज्वा राय याग खानमालाः कृष्णायक ॥ पिङ्गसन
हस्तकाय ॥ हस्तक ॥ ॐ आलि दासन सूक्त मकयदना ॥ वजाक द्य ॐ गनिः
हि च्छालिगल दोय ॥ एगवनि जर्प च रिं मत्मक ॥ नादावस्ति म ॥
यस्य एव गा सां पुर्व ॥ लोक स्थानि मर्जनमा मि नियत ॥ मेलाक
स्वामी स्तय ॥ कीला ॥ पाग ॥ काल ॥ ५३२ आसन स वाय ॥ ॥ प
वायग शसाः ॥ नैक य विचक्र गागमा ॥ ॥ ५३३ लिगीग ॥ काकान
न ॥ पाग ॥ हस्तक ॥ ॥ ३३३ मामि रुद्रकं नाथ ॥ म ॥ ई कालसं
एवं ॥ कृष्ण वे ल महाधाली ॥ उक वरुं धिरुडक ॥ वाजा कालिं गल

जातु प्रत्यक्षं न संसृजं ॥ एव लब्धं अस्ति न कार्यं ॥ न मा भि विदुः वनं ॥
जं ॥ ॥ लब्धं अस्ति न कार्यं ॥ न मा भि विदुः वनं ॥
न ह्यु ॥ गीतं विदुः वनं ॥ वनं ॥ विदुः वनं ॥ विदुः वनं ॥
नीलवज्रं वधिगप्लिलपीथं ॥ २ ॥ एव च कपालादिवीजः ॥ पुर्वं ॥ यासं
पठनीलवर्क ॥ कउ हा थ अति लभ्यं ॥ ५ ॥ नमना थ अति लभ्यं ॥
यने न वद न दिगति ॥ एवा क्व जल कर्षक ॥ ६ ॥ विदुः वनं ॥
पना थ गपपाद पुसाद ॥ यथा मनसि न कार्यं ॥ कृत्वा थ अति लभ्यं ॥
वा क्व का ॥ वा क्व का ॥ ४ ॥ का नीलव ॥ कामरूप पी ० स राव ॥ अं कृत्वा

दिवाच २३ लावणा दि सं या ग ज का ॥ ॥ वद वा ह व ड द ॥ ई उ म ज ॥
त्रि गा ॥ ॥ ॥ ॥ वा क का वि पा ना ठ न ॥ त का म म ज नू ग ह ॥ क न
॥ दि क म ना थ ॥ य पा ह फ क ज म्पा ह ॥ ॥ का य च का ह ॥ का य च
का कानि अं र य शु क व ड व द पी ० पु न प ली म हा व ला दी ॥ च क व ग म लि
गि न शु क शु य उ उ जा ज हा ह न शु क व द हा जाल क गा ॥ ॥ ॥
का य पा गाल वा स्पा ह ॥ ना ग दि इ क म र्द न ॥ ना प स्तान कू यो ह ॥ पु सा
दा च क मा वि र्प ॥ ॥ वि च क सि नः च तु वि म ति ना न नु र ॥
च उ वि म व पि न ल ॥ पु र्वा डा या लिं ग ल वि र व न क पि न ॥ गि या ल सि

गा२कृतिमवीजदवी ॥ अकसरावागल ॥ एनयीशाकृतिमनीलपुसा
दात ॥ ॥ ~~सक~~ विमवाकगभमदीहं ॐ कालजीपुर्ण ॥ वजा

गचकुम ॥ स्वायन्दासत्वावयधिप ॥ ॥ जृगपर्वगुयादभात्मक
तु ॥ गदहिवाजस्तःकाका ॥ अदयानिग्न ॥ गीतः पर्वदिगम्युति ॥

पर्वदिगीपति ॥ अतिनालवर्ण ॥ २पुर्वपुगा ॥ अत्रिकाकवदना ॥

~~सक~~ ॥ प्राचाधिपतिमनाथ ॥ नीलार्सुलमदनी ॥ वायसायननजीडाहं
यथकासिद्धिदायक ॥ ॥ उरुजाधिपतिहजीगवर्ण ॥ २उलका

ननरीमयकहजलं ॥ ॥ ~~सक~~ ॥ उरुययकमात्रहं ॥ ॥ अमयल

महाकल ॥ यथादिविद्युना ॥ उल्का ॥ पुसादप्य ॥ २ ॥ पञ्चम
धीपतिलाकाजसवर्ण २ नागरयहजलं ॥ नवदजा ॥ ३ ॥ ॥ अथ ॥ विदी
र्णं हुवाज्जीदिलाकासिंदुलवर्णक ॥ ॥ अथैववर्दरासंपुसात्पुत्रिमाधिप ॥ ॥
यमपविद्यात्रमेजवर्णरा २ कोला ॥ ०० वयमरायहजलं ॥ ॥
॥ अथ ॥ दकीलशुक्ल ॥ ॥ अथैववर्दरासंपुसात्पुत्रिमाधिप ॥ ॥
हंविजाधिप ॥ यमादिलग्न ॥ ४ ॥ ॥ अथैववर्दरासंपुसात्पुत्रिमाधिप ॥ ॥
हयवधनमहाकी ॥ ॥ अथैववर्दरासंपुसात्पुत्रिमाधिप ॥ ॥
नीलपीगावरासर्कयमदादा ॥ ॥ अथैववर्दरासंपुसात्पुत्रिमाधिप ॥ ॥
द्विरिरेपुसादावनाथह ॥ ॥

यातुधनमजजाकसहजैलं२पीगात्रलवर्कलोलवदनं॥ ॥सुक॥

यातुधनाधिपानाथगानामिजकसागनं॥ पीगात्रनमहाकाठं॥ यम

इति०तिहता॥ ७ ॥मात्रगाधिपतिःलाहितममा२वागाविनाम

नूडषकवदना॥ ॥सुक॥ अर्धवर्गमहाशीमं॥ समीजरयसुं॥

मत्रं॥ यमड्यूगीनामाहं॥ वागाधिपपुसादनं॥ ७ ॥रगाधिपतिः

त्रिहितकजलं२काधवदनं॥ हजागनीलारा॥ ॥सुक॥ ७००००

रगलमाहं॥ ममवर्गवरासुं॥ सर्वपुदुवगानं॥ यममथनीमि

नाथहं॥ १ ॥दादगविलमहाकाठवदना२७किनादिदवीआलिं

गना २ गी च कु संमल पु गद २ ग व नि हु नि गी ग गी कु ली ग ॥ ॥
॥ अ ॥ सर्व ज्ञान न ह न ॥ ॥ द्वादश मय वय ना थ ॥ स्तान वय म्
ष्टि कृ त दी पा धि प पु ग दान इ न क पा पु र ना थ ह ॥ ॥ न द न न ल ॥
म ल न न ॥ गी त गि ह द वा प ॥ ॥ ग ग ॥ पी ग ॥ ॥ अ ॥ ३० य स्मा त्सर्व ज्ञा
ल यो ल ॥ स ज्ञाय ग सा ग ॥ नि य ५ म न जाल मा हि ग तु लं पु ष्पा त्सर्वे य
तु ल ॥ स त्वा र्थ पु ति रि न्न र्प च चि त् ॥ सं श ग नि र्मा नि क ॥ पु ष्पा पा प म य
न मा मि य त् ॥ ग द्वा धि चि त् मा त्म क ॥ ॥ ग ग म् ग वा र्थ सं म र्प मा ग
॥ अ प ज वा र्थ ना म ॥ क मा वा र्थ ॥ व र्ज वा जा हि र्प ५ त्वा म ना सा ह

न॥ उरु जा रु व कृत्वा न रु थ न॥

॥ य न व ड वा जा हि वानः मूलरा

षा॥

॥ य उ वा जा हि मा हा विल

ष्वजी॥

ग ल च का च न कु म॥ दानप

पु म न सा प ल॥ श्री घु मं द्रा सु ग म ह॥

॥ य उ वा ला हि रा षा॥ ॥

कि मा हा कृ त न थ॥ आ ग क्ता मि ते वा ति क॥ किं क ज मि क्ता मी॥

श्री घु मा हा च द हि म॥

॥ मूलरा षा॥ य उ वि जा मि त्री द वी॥ म

हा जी ह ष्व जी न थ॥ दान प न सु र प सी पु त्रा आ पा ग ष्ठु र च ग सा॥ का

म मा क्ता दि सी पा र्क॥ सि धि र व तु द हि म॥ छि र व न वि ज सी द वी॥ द व

सु जा दि मा न् रा॥ म क्ता वी य ष्व ल त्थ हि॥ नृ प द र्ग थ कृ त् ॥ ॥

वाजाहिआक ॥ देवज्ञाय ॥ पञ्चस्पलनृपयाय ॥ ॥ पुष्पममूलन
पु ॥ गीतकान ॥ ५२ ॥ पागम ॥ मन्त्राचार्यराषा ॥ नाहकत्रुल्लवज
शानः रुतात्मानवर्तनकि ॥ ॥ वाजाहीराषा ॥ नाहलाचनानीला
यनावत्सर्वयला ॥ १ ॥ पुद्गलगीत ॥ सकलता ॥ ५३ ॥ पागम ॥ पुद्गल
राषा ॥ रुतावत्सर्वयला ॥ मूलराषा ॥ रुकाज ॥ २ ॥ मूलगीत ॥
मन्त्राचार्य ॥ ५४ ॥ पागम ॥ मूलराषा ॥ नाहवेलाचनशमान ॥ रुताजि
सर्वविधावन ॥ पुद्गलराषा ॥ नाहमामकि सुचल ॥ पुज श्रीमामकि सु ॥ ३
पुद्गलगीत ॥ विविचि ॥ ५५ ॥ पागम ॥ पुद्गलराषा ॥ रुतावत्सर्वयला

मयी॥मलराषा॥अंकात् ॥ ४ ॥मलगीत॥अंकुलस्य॥ ५ ॥पाग॥
मलराषा॥नाहिनरुं न ज ॥ अमानः नरुं स मूपासक॥पुल्लराषा॥ना
हंपातलादवीः न च त्पुद्गुगाकथं॥ ६ ॥पुल्लगीत॥देवीवात्राही ॥ ७ ॥
पाग॥पुल्लराषा॥रुगवन किं न समय॥मलराषा॥आकात् ॥ ८ ॥
मलगीत॥कुरुवाय॥ ९ ॥पाग॥मलराषा॥नाहवडासूर्याख्यः
यकाकाथं नरुं॥पुल्लराषा॥नाहंकलागात्राः हन नरासि नाविली॥ १० ॥
पुल्लगीत॥सकलविद्यु॥ ११ ॥पाग॥पुल्लराषा॥रुगवन किं न स
समय॥मलराषा॥अंकात् ॥ १२ ॥मलगीत॥कुरु॥ १३ ॥पाग॥

मूलराखा॥ नाहं वडु दुयंगस्यतः पाठकस्यैप्रावडु॥ पुद्गा राखा॥
धन्या इहं कफजः प्रामानधुषु गेव हि साधना॥ ६ ॥ पुद्गा राखा॥ रा
वा राय॥ ७ ॥ पाग॥ पुद्गा राखा॥ रागवन किं ग समर्थ॥ मूलराखा॥
व काज॥ ॥ जग॥ ~~मूलराखा~~ नृप॥ ८ ॥ नाहं स्वग लोक
सिद्धमवजगुतः रागलचक्रवर्तिः पागाय नागजाजादुलिकूलममिर्गः
सर्वगं चाक्षुभाहः क्लानयधा मनीडा कलपयमविरः दहिना वडु यागी
वेदा कालपविगा वडु मम जयलः सर्वरावे नृजाजा ॥ ॥ पुद्गा राखा॥
निर्मा नादी दिने न मनु लगगा॥ काया दिव लूयगा॥ प्राक्काला काल नोक्

लोभसुखा ॥ पुष्पा नसुखा पमा वृद्धा नयसा विष्णुत्वा ॥ सानंदसंस्था
हना ॥ रावा राव विवाजीना ॥ विलहिता वाजाहिका वगनी ॥
पादाय ॥ पुनरुत्था ॥ सर्वाका ना ॥ पागम ॥ लभक ॥ गजकिनृत्पयाय ॥
गदनुक्ती गनवदना पंनरुक्ती ॥ गीग ॥ नमामि २ आहृत्क चतु मरा
ज ॥ ॥ पागम लभक ॥ नमस्तु गल चतु नाथाय ॥ नमस्तु सनताकि न
नमस्तु पुद्गुत्पाय ॥ नमस्तु हरवात्रक ॥ काला कद ॥ थडा २ आगु
मसवान ॥ गग ४ सद्यपुडा ॥ गीग ईवीज सहरव ॥ ॥ पुनः पूजाक
लामहावली च दामर्ष ॥ गीग पवनमलुल ॥ ॥ बली रावना ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
किल समुद्रं रूपं बलिगुणं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
जुं पंच वायुगुणं ॥ पंचपगाका ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
न ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मिलादिन ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यन्मि वपिन कोठियर्या ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यथैकावलिमालासंगाथा ॥ पंच पाण्डुलः पंच धवी जडजामात्रे ॥ पंच
ध्रुवां पागथगु ॥ पृष्ठादिहिसंप्रसूम्भगिपा ० यगु ॥ ॥ पीष्ठादि
पूजाः मंगुलचिलकिगगनः सद्यकायः कलसोरिषाक ॥ दृक् ॥
दिगुसमयकाथ ॥ वाक्षकाषपात्रदीयगः वाहीजडमानकाय ॥ गी
गवृक्षिकंदल ॥ ॥ गगुपुष्पकः कदिजीकादत्या ग्राडादिनाना
व्यदत्याः ॥ ॥ ल्हादनमिषुलाजनपियराआदिर्कंदत्याः पुष्पकमके
कपि ॥ पुर्वरागनः चक्रानुक्रम ॥ ॥ ॥ मद्यजलकसुसमालाः
गमलपुदापकैः गइपजीदत्यासर्वकर्मिकमनुस्यार्यः ॥ दहल्या

हि मृत्युपुद्गिण शुचिरुमापि उवास्वपयन्॥

॥ गंगा दानपत्रि

नाः सगंधजल ४ पूर्ववत् लुलकृत्वाः निहे रि गम ५ अरि ४ पु या च य
न ॥ ॥ ॐ या गम स गं क ल पा न रि ग म द रि कं ॥ पी १ ५ रि २ म य स य

॥ॐ यागमृगेकलपानविगुहचिह्नं ॥ पीथादिदग्गममन

नवि सुद्धदह ४ श्रीपी० म० च य ज म लु ल व ऊ नार्थ ॥ व द स दा गु नृ व ज

निलसागरन॥ १ ॥ दयावलीरुषिगदहजलान॥ वीजसमदायाकि

न सर्वगमज्ञान ॥ चण्डिनाथसहजामलाच ॥ वन्द्यसुखसंयजशागसा

जा ॥ २ ॥ अकारकृज शुभ्रभव निलय ॥ धर्मसगरव अतल सुवच हं

सर्वज्ञ च वल ॥ व्यत्यन्नसर्वात्मक ॥ सर्वज्ञ भुवि भुङ्क्ते दह निलय ॥ दद्यात्

तयं संचल ॥ वन्दहसहजामलवजलति ॥ ओम् ह्रदनीनायक ॥ किमत्र ॥ ३ ॥
पनरुजा ॥ पनयाय ॥ पंचमस ॥ हुं कारुजनयाय ॥ जाद्वनधलि
ओल ॥ मूर्धपर्यन्तयमाल ॥ ॥ गालज्ञाय ॥ गीतवामादहिन ॥
गदनृजागं ॥ इत्यानीसंयुक्तकायकार्ष ॥ ह्रीनाग्रीनासंपुदिप्य ॥ पचमा
र्थमयत् ॥ ॥ वसः वपः शरुः गंधः स्वमः कर्लनासाभजीजानीः
पुंचमसादानपीनयत् ॥ श्रुनामाक्षाया ॥ गहृताः मृतविंदरि ॥ इत्या
पयत् ॥ गता नारिमंलुलगताः वायुरि ॥ समाकृष्यतिलिद्युतिकानिपी
त्या ॥ महाज्ञानवानमंक्रि मूरुगिष्ट ॥ हुं कारुयथाप्रागयत् ॥ ॥

गदनं कर्तुः मृगयायां लोप्यते यत् ॥ गीतकालं ॥ पाठ्यं ॥ जाग ॥

सुमर्क ॥

॥ यस्मात्सर्वविकृत्य जालमखिल ॥ संकायग सोगर्क ॥

निर्गन्धमगजालमाहिगुलं ॥ पुष्पात्मवेद्याहुलं ॥ सत्त्वार्थपुतिरि नर

पयविर्ग ॥ संशयनिर्मात्रिक ॥ पुष्पायमयनमा मियत् ॥ गद्विधि

विकालमर्क ॥

॥ कला कर्द ॥

॥ गदन्मूलपञ्चाकालयत् ॥

सद्यमलुलरावना ॥ गदन्नेजात्मज्ञा नात्मकाः वृद्धिमानः स मयीय

उद्धवितस्मिन्माशापयि मवपयर्कः ॥ ज्ञानामग धाय वन्दन विराय ॥

यागमत्यजाया गी ॥ पुष्पाय सहाय महाकृत् ॥ ज मस्युक्त विमर्क

कः उयस्सरावसर्ववम्संभुक्तमयिकालः पत्रमार्थसूयः सर्वापना
येलमनकस्यासुप्पगनपत्रमज्जपविचिंतयत् ॥ पूजाचक्र ४ नृप
गीतवार्धश्च ज्जगद्दयत् ॥ ॥ अथोमृजावासात्मयः चूर्णक
श्च ज्जालाभवमूलपात ॥ गीतहातातजल ॥ हस्तक ॥ अचंचालीचल
लीययात्रिठपुदात्यादि ॥ ॥ कलाकाद ॥ दमपतु ॥ पृथ ॥
पूर्वाचार्यात्मय ॥ उत्तचलः तवाभव शुक्ति पात ॥ गीतउयवाकली ४
हस्तक ॥ पादाशुक्लीकविषसवरुदयगता ॥ संक्षिप्तताविष्वज्जपा ॥ मृका
सर्वासजामादमममिजनिता ॥ वज्रचिंहाकमात्रा ॥ खल्लुडामृदिगाडी

पुवतनत्र जिजा ॥ ससिगा वामहस्त ॥ कर्त्तुं सर्वार्थहति ॥ हुजनस
खा रावसुहानत्र पा ॥ कजाकद ॥ दद ॥ ददनायायाडलाय ॥ ४
वज्रचलः आडिका भवनालीकलपा ॥ गीतः अनवलजननी ॥ ह्रम ॥
आमसिद्धि महयु पायविमल ॥ पुजाडनालिंगिता ॥ वामपापि
मृगीन निर्मितद्यन ॥ लास्य वाक्यरुग ॥ मायाजालविलासिनीरु
गस्यकांतांजसराविग ॥ नत्यामश्वलाकजासिऊगता ॥ मंलुलात्रा
धन ॥ कजाकाज ॥ पञ्चा ॥ पञ्चिमायायालाय ॥ रथचत्ररुकाभ
वः ककुपाय ॥ गीतः ईईईदह ॥ ह्रम ॥ अष्टवक्रचतुर्षाद ॥ कपाल

ॐ उवाच ॥ पिंरुर्द्धकं न जालाह यउ नार्थ नम ॥ अथवा ॥ कालिंया
उलपीउसैरवारुववज ॥ नकाम् उध सिता ॥ हंसाजीउविराति ॥ यस्य
कलका ॥ रास ल पाललावली ॥ नम पाउ म ठालगा य ननु य पुण्याय
ठ न्नाम्पद ॥ न्नामागालु वालीरु सदृष्ट वजना ॥ मूर्तिनगाविरुत ॥ कला
काद ॥ उरु ॥ उरु नार्थार्थ लकाय ॥ रुचय नु ज न्ना मयः का म पाण ॥ गीग
सकयउ ॥ उरु ॥ उरु नार्थ म हाविल ॥ विभु विद्रु लिख न्नाजी ॥ नोमिग
यउ वाजा हि ॥ माहाजाग न्नागीना ॥ ॥ अरि संकल्य तु संकल्य ॥ अ
मि सिग मा नसाः सुमिं व मनसि काल ॥ निजाल रं न मा सुग ॥ काजा काद ॥

पंथायनशताधनकयगागमाल॥ उयाद॥ मक॥ न० चक्र यजनीयं॥ ॥
नक्षत्रि विर्ल यक्र पूर्वाक्षस्यः हसमीसकालियागव॥ गीतः अरययनी
लज्जन॥ शुभक॥ निलापम विजाका ज॥ निर्विकल्प सत्रपिनी॥ नेजात्माव
जदादयी॥ नृपमसूनमासून॥ ॥ वाद्यकापुलक्षस्य॥ मीसपालक॥
कसियागव॥ गीतः पत्रमजगा॥ शुभक॥ कूठागलमिदं नृतिरवधन
पालिनात्रिर्क नाचक्रसस्मजमान्धानविषाया॥ जाहायनआदय॥ ८३
पाद्यानचधर्मगामकतया॥ गमालुलया० म॥ विष्णुं मलुलवक्रमाक
जयगव॥ ८४ कि मूठाम्यसि॥ ॥ कायचक्र पूर्वाक्षस्य॥ मलुकमीसः

[illegible]

पञ्चमः ॥ पञ्चमः ॥ पञ्चमः ॥ पञ्चमः ॥ पञ्चमः ॥
 मोलिकुण्डलविष्णुवक्त्रकलीर्ण ॥ पितृमन्त्रकेलिनर ॥ नेत्रालापविष
 कुमाहमृदित ॥ विरुणलक्ष्मीपर ॥ मृगुकुलमजीवदेवतनयाकु
 नावतुवक्त्रवान ॥ सुषुम्णकुलवक्त्रनायकमह ॥ हवक्त्रनाथनम ॥
 दक्षकुण्डलविष्णुवक्त्रकलीर्ण ॥ पितृमन्त्रकेलिनर ॥ नेत्रालापविष
 कुमाहमृदित ॥ विरुणलक्ष्मीपर ॥ मृगुकुलमजीवदेवतनयाकु
 नावतुवक्त्रवान ॥ सुषुम्णकुलवक्त्रनायकमह ॥ हवक्त्रनाथनम ॥
 लक्ष्मीपद ॥ ॥ अग्रयमदादी ॥ उक्तामास ॥ जकुनेत्राकाशव ॥ गीतः
 उक्तामास ॥ ॥ नत्वाश्रयवक्त्रनाथ ॥ मन्त्रमूर्तिविष्णुवक्त्र

ॐ ऐं नमो वलदाहिमा ॥ अद्वि सिद्धि वज्रपुद्गा ॥ अर्चना लं समाभीन ॥ सह
जानन्द उपिनी ॥ पुष्पाग्नना विजा आगी ॥ नमस्तु वज्रयामि ॥ ॥ ४
नेमस्तु यमद्वि ॥ चक्रमासः चित्रका ॥ गीतः विविहवा ॥ ॥ ५
पंचामृतसदापान ॥ पंचामृतसुखजन ॥ गीतवाद् वज्रनिर्णय ॥ वन्दे
स्वीज्ञानयामि ॥ ॥ वायव्य यमद्वि ॥ पुष्पाग्नमासः ॥ ॥ ६
गव ॥ गीतः उदितागल ॥ ॥ ७
ॐ नमो यममथनी ॥ कर्कमासः अद्यसमथका ॥ गीत ॥ वा
मद्वि ॥ ॥ ८
पुष्पाग्नमासः ॥ वायव्यपादहासा ॥ नल

जिलकृगमाला मद्यवर्षा प्रिय स्वर्वा ॥ प्रियवनवचदायी ॥ हस्तविन्य
स्तुकर्त्ति ॥ कनगिकपाला ॥ पातुवाउग्रताला ॥ ॐ ॥ गगुमिजा
भिपुयात्रलं ॥ सिलकायः म ॥ यातुलाः ॥ याः सस्तः सकस्यागविय ॥
गीतः सर्ववृद्ध ॥ ॥ गग ४ सर्वमात्रविनिडितार्थः मूलाचार्यः ॥
अथलरूपननरुते ॥ गीत ४ वनिनीहिगवामजान् ॥ ॥ हस्त ४
अथनिनीहिगवामजान् ॥ सर्वहस्तवखर्जः ॥ ॥ यदाचन्दमा
रा ॥ वायोपुवर्हि ॥ गदाऊननपलि समा सणा भागदयाग ॥ मूलाचा

सर्ववस्त्रादीन एका नगरी गुरु कापिनी निवास्य ॥ सर्वास्तु परस्मै ल
प्य ॥ पृष्ठ गज चर्म ॥ कर्हि मलुमालागु वयागिनी यागसमिल्य स्व
रावननरु यत ॥ ॥ गगीदानपगिना मलुलादिक कृत्वा ॥ दूकी
नजात्र ॥ पृथीया मायाप ॥ कृता ऊरु लिमिषुत ॥ ॥ गीना ॥ देवदि
गमय ॥ ॥ अक ॥ नमामि ह नरु नाथ ॥ मधुदू कायस निर ॥ खरु ऊरु य
वतु वरु ॥ उठा मद्रु ठ एरिग ॥ दिगं वजा द्रु रु रु ॥ कृति मद्य ॥
दिगियकी ॥ गज चर्म निवसन ॥ घनरु द्वा अरु गियरु ॥ बाल विज
गल नाथ ॥ नमामि विरु वगल ॥ ॥ गगी अगिष दाय यकुन ॥

सुखसंप्रतिपत्तौ ॥ आनन्दं भुङ्क्ष्व ॥ काममाकादि संप्राप्तसिद्धि
एव तु गेहपुनः ॥ ॥ त्वत्कामा ॥ हार्द ॥ ॥ न तावत्तीक्ष्णयत्नः
पुनर्वत्तीक्ष्णयत्नः ॥ गन्तव्यं किं यत् ॥ गीत ॥ सर्वथापि ॥ ॥ न तावत्
मूलदीपावलिर्दत्ता ॥ मूलवलिः पूर्वस्त्वापि तु वलिः पिठि कीर्त्त
पयत् ॥ ॥ शिवानुपुष्टयत्नः ॥ ॥ गुरुकर्मवर्जः चक्रवर्जः
रुतिना कृताञ्जलीनाः विमर्जयत् ॥ अनया गमयत्प्रापयत् ॥
ॐ नमस्तु गन्तव्यं ॥ संपूर्णं न देवतादेवगीतम् ॥ मलाञ्जली नन्दनी
षयवसक्तिमहात्म्य ॥ या गुरु कामज्पि ॥ देवतादेवगीतम् ॥

वित्रवित्रमत्रावेवजकित्राजकसंयगा ॥ विर्यागिचा मिपृष्ठा र्प्य
आत्मानं संप्रियं ह ॥ पवित्रं कुरुमां नाथ कुरु मनु समयं स्वर्क ॥ जल
कुरु मनु मृजनाः त्वदीयपादयोः पुरि ॥ आसं सालमहं दासां त्वय
वजयागिना ॥ एकं शिखं नथपयं लक्षं वाद्यं वरणाद्यं ॥ यथा त्व
मदमिलितः पलितं जपुं शादत ॥ नमस्तु वक्तुं नाथाय नमस्तु ज्ञान
दाकिनी ॥ नमस्तु सज्जपाय ॥ नमस्तु रावगायक ॥ नमस्तु तुनस्तु तुन
मस्तु तुनमानस ॥ एकाहत्या नमस्यामि सहाजाय नमस्तु ॥ गता वृ
ति नयनं कुरु यज सत्य ॥ जलसं सवः पुमन्त्यं नय ॥ भावसि

दिव ॥ श्रीधरवीजक ॥ वीलवीजक ॥ ठाकठाकनीपी ॥ पपी ० क
ठा पकठक ॥ उपकठक ॥ मलापका पमलापक वासिन रु ॥ न
मलुगपीजक कठपाला ॥ उपपीजवस ॥ मनीच सद्यान ॥ वृद्धवधर्म
व ॥ सद्यवना ॥ नमसुगसंग लवकुवर्किन ॥ नमसुग वकुसव
जनायके ॥ नेवद्य हाक यत्प ॥ सा त्यादनादि सयग ॥ नेवद्य गुरु
वृद्धा ॥ वीज ठाकिनी रु ॥ मुद्र रुठिक सका ॥ गवा लाव विव उिन
य ॥ सुर्य पत्रा रु ॥ नमसु ठाक ठाकिनी ॥ ॐ कुरु २ म हा रु उ जी स्वा
हा ॥ ॥ ॐ गिग नवकु सहाज ग ॥ ॥ दीय ग गिराज

नमः विष्णवे ॥ गणपतये नमः ॥ पिंलिकामादाय चक्रं स्वजस्यागुगान्य
सित ॥ कुरुमहकुसुमं दयतागस्तगायन ॥ ~~युक्तायाः साकं काला~~
~~कानि~~ वक्तुं प्रीयथा विधिना संपूजयत ॥ कलकय ॥ गीतः धमागली ॥
गदनं कर्मार्पयत ॥ कुरुमहकुसुमं दयतागस्तगायन ॥ उक्तायाः
कपाला ॥ यानिरुगाविधिं क्रिया ॥ ॥ गगाहं कुरु कालधनुः गां
मूलदका लंदलाः दानपतिनामं मूलकृत्वाः मजाचार्यलः जनच
कुसहि स्थनच मनीसाहयत ॥ मं लुलगीर्ग नृपते ॥ गीतं द्वीत ॥
क्षमक ॥ संपूर्णं सर्वजगत् मनायथपदं ॥ सर्वजगन्नादिनापु कासर्व
वि कल्यामाहकं जलं ॥ ताकिनीहृत्कादिना ॥ यच्च कुरुपत्रिवर्द्धनं डि

ननु लक्ष्मणादय मूर्ध्नि ॥ यत्प्रागस्त कृपा तु न ह सप्तमहा ॥ ननु पुनः
बह ॥ गदादी पपाणा पठा कथित्या ॥ अर्धगपु विष्णु सप्तमस्तुत्याः
पथापु चाल पठा कृत्वा मृडाः भस्त्रादिव दं यर्जयन् ॥ मृडा गान् ॥ गानि
साद भहाय ॥ तगसंहा जादी वरु कृत्वाः क्रमापन ॥ ॥ अंसली
एन सिंहा कीका यः वि वि ककाय वलगी गमा की हाये ॥ स्मया चक्र गान
वक्र संहा ज वि भजन गुरु ॥ ॥ ॥ गि शा गान वक्र क ठियाम थप्
जा व वि समाप ॥ ॥ ॥ गुयाः सं समान १०६६ भव ननु कृया
कृतिया र्ध नृसिद्धय काः ववा ह्वा ज या व जा वार्यः ॥ गि सिद्धि गान कर्ण गुरु
शः ॥ ५३३ सं मान यागः सयक सियक याग वाया इ ल ॥ ली लयनी यामइ ॥